शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 99 | गुवाहाटी | गुरुवार, 7 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वक्फ संशोधन विधेयक : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जेपीसी पर उठाए सवाल — पेज 2
नलबाड़ी डीसी पर एफआईआर दर्ज करने का कोर्ट ने दिया आदेश — पेज 3
उप्र के हरदोई में सड़क हादसा दस लोगों की मौत, पांच घायल — पेज 5
ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कप्तान बने इंगलिस, पाकिस्तान के खिलाफ... — पेज 7

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का ऐतिहासिक प्रदर्शन, कहा–

जीत अविश्वसनीय, ऐतिहासिक

फ्लोरिडा (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत का ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने यहां के वेस्ट पाम बीच में अपने अभियान की वॉच पार्टी में देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह जीत अविश्वसनीय और ऐतिहासिक है। उन्होंने देश के सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। वेस्ट पाम बीच में डोनाल्ड ट्रंप का जोरदार स्वागत किया गया। उनके साथ मंच पर जेडी वेंस, उनकी पत्नी मेलानिया और अभियान के कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह बड़ी राजनीतिक जीत है। ट्रंप ने इस मौके पर जेडी वेंस को अगले उपराष्ट्रपति के लिए बधाई भी दी। वेंस ने कहा कि यह ट्रंप की अब तक की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी है। रिपब्लिकन ट्रंप ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी ने इतिहास रचा है। आज का अवसर उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमें एक अभूतपूर्व और शक्तिशाली जनादेश दिया है। ट्रम्प ने अपनी पत्नी मेलानिया को धन्यवाद देते हुए उन्हें प्रथम महिला बताया। उन्होंने संबोधन में अपने सभी बच्चों का नाम लिया और चुनाव प्रचार में योगदान के लिए उनका आभार जताया। ट्रंप ने अपने अभियान के महत्वपूर्ण स्तंभ एक्स के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को *अद्भुत* व्यक्ति बताया। ट्रंप ने एलन मस्क को रिपब्लिकन पार्टी का नया सितारा बताया। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने इस चुनाव में जीत की घोषणा कर दी है लेकिन वे अभी तक इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की आवश्यक संख्या तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्हें 270 वोटों की आवश्यकता है, लेकिन वे इससे चार वोट पीछे हैं। कमला हैरिस 218 वोटों पर हैं। उधर ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भारत का खुलकर समर्थन किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक जीत से भारत के पड़ोसी देशों की हालत खराब हो सकती है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में चीन और पाकिस्तान को प्रयोजित आतंकवाद के लिए खूब लताड़ा था। इतना ही नहीं ट्रंप ने पाकिस्तान को अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक सहायता भी रोक दी थी। इसके अलावा ट्रंप ने चीन के साथ ट्रेड वार की बात की थी। अब एक बार फिर ट्रंप के आने से भारत के पड़ोसी देशों चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश पर भी इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, यह देखना बहुत महत्वपूर्ण होगा। सबसे पहले पड़ोसी देश पाकिस्तान की बात करें तो पाकिस्तान को आतंक का गढ़ कहा जाता है। जो बाइडन पाकिस्तान पर हमेशा महारबान रहे, लेकिन जब ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में आए तो उन्होंने पाकिस्तान को प्रायोजित आतंकवाद को लेकर जबरदस्त तरीके से लताड़ा था। इस समय पाकिस्तान की आर्थिक हालत बहुत खराब है। ऐसे में ट्रंप का फिर से आना पाकिस्तान के लिए कंगाली में आटा गीला करना जैसा साबित हो सकता है। अगर चीन की बात करें तो वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन 5 साल तक भारत को आंखें दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन जो बाइडन ने एक बार भी इस विवाद को लेकर एक बार भी जिक्र नहीं किया। चीन ने भारत के साथ सारे समझौते 1993, 2003, 2006 और 2013 के तोड़ दिए और वह अपनी मनमानी करता रहा। लेकिन ट्रंप के साथ ऐसा नहीं होगा। अमेरिका चीन पर टैरिफ बड़ा सकता है और चीन को आर्थिक चोट पहुंचा सकता है। ट्रंप ने जब चीन के साथ ट्रेड वॉर की बात की थी तो चीन के होश में उड़ गए थे।

पीएम मोदी ने ट्रंप को दी बधाई

नई दिल्ली। अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आज घोषित हो गए हैं। रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भारी बहुमत से हराकर दूसरी बार राष्ट्रपति बनने की जीत हासिल की है। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि आपकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप। पीएम मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए ट्रंप को शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा कि आपकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकरण के लिए उत्सुक हूं। आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। इस बधाई संदेश से प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को और मजबूत -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया भर से बधाइयों का तांता

लंदन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद दुनियाभर के नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। ट्रंप को सबसे पहले बधाई संदेश देने वाले विश्व के नेताओं में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर भी शामिल हैं। सर कीर स्टारमर और केमी बैडेनोच उन ब्रिटिश पार्टी नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब दोनों पहली बार पीएमक्यूएस में आमने-सामने होंगे। स्टॉर्मर ने कहा कि नये अमेरिकी प्रशासन के तहत ब्रिटेन और अमेरिका के बीच *विशेष संबंध* प्रगाढ़ होना जारी रहेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। नेतन्याहू ने *एक्स* पर लिखा कि ऐतिहासिक महान वापसी पर बधाइयां। व्हाइट हाउस में आपकी ऐतिहासिक वापसी अमेरिका के लिए नई शुरुआत और इजराइल तथा अमेरिका के बीच महान गठबंधन के लिए शक्तिशाली प्रतिबद्धता दर्शाने वाली है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारतवंशियों का दबदबा, छह सांसदों ने मारी बाजी

वॉशगटन। अमेरिकी संसद में भारतवंशियों की संख्या बढ़ गई है। भारतीय मूल के छह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का चुनाव जीत गए हैं। मौजूदा कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में इनकी संख्या पांच थी। सभी पांच मौजूदा भारतवंशी सांसदों को प्रतिनिधि सभा के लिए फिर से चुन लिया गया है। संसदीय चुनाव में कुल नौ भारतवंशी मैदान में उतरे थे। अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के सदस्यों को समोसा काकस के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार इसके सदस्य हैं। एरिजोना के पहले संसदीय जिले से डा. अमीश शाह अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मामूली अंतर से आगे हैं। अगर वह जीत हासिल करने में सफल होते हैं, तो प्रतिनिधि सभा में भारतीय अमेरिकियों की संख्या बढ़कर सात हो जाएगी। भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया और पूरे -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एनआरसी और ड्रग्स से कोई समझौता नहीं : मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

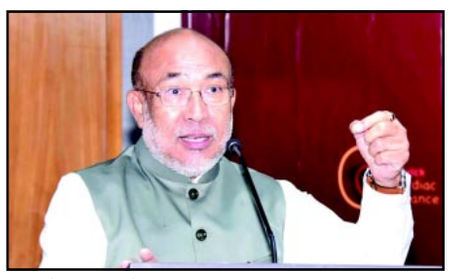

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री नोंगथंबम बीरेन सिंह ने घोषणा की है कि एनआरसी, नशीली दवाओं (ड्रग्स) के खिलाफ जारी युद्ध पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। थाडू सम्मेलन में अपनाए गए प्रस्ताव में राज्य में *राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर* (एनआरसी) और *ड्रग्स के खिलाफ युद्ध* अभियान के लिए समर्थन व्यक्त किया गया। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह थडू ने सम्मेलन में पारित प्रस्ताव पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि उनकी सरकार एनआरसी और राज्य में ड्रग्स के खिलाफ चल रही लड़ाई पर कोई समझौता नहीं करेगी। मणिपुर में अशांति की जड़ नशा और घुसपैठिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बाहरी लोगों की मदद से शांति कहीं भी नहीं आई है, मणिपुर में भी नहीं आएगी। इसलिए उनकी सरकार इन दोनों के -शेष पृष्ठ दो पर

रवींद्र भवन और डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी के बीच बनेगा जीएनबी फ्लाईओवर : सीएम

गुवाहाटी। बहुचर्चित जीएनबी फ्लाईओवर परियोजना, जिसने हरित क्षेत्र के संभावित नुकसान को लेकर जन आक्रोश पैदा कर दिया है, रवींद्र भवन और डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी के बीच खाओ गली में स्थापित की जाएगी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार रात इसकी पुष्टि की। ऐतिहासिक दिघलीपुखुरी के किनारे पेड़ों की कटाई को लेकर सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए शर्मा ने जनता को आश्वासन दिया कि फ्लाईओवर की कोई भी शाखा ऐतिहासिक जल निकाय के किनारों की ओर नहीं बढ़ेगी। निर्माण स्थल के निरीक्षण के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि फ्लाईओवर अब रवींद्र भवन और डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी के बीच समाप्त होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार, दिघलीपुखुरी के तट पर स्थित सदियों पुराने पेड़ों को काटने या प्रत्यारोपित करने का कोई सवाल ही नहीं है। हांडिक गर्ल्स कॉलेज से नूनमती की ओर जाने वाले यात्री लैम्ब रोड से फ्लाईओवर तक पहुंचेंगे, जबकि अन्य लोग दिघलीपुखुरी पहुंचने से पहले ही बाहर निकल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

धूर्त व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की सेवा करते हैं।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

गैंडे का शिकार करने वाले चार शिकारी गिरफ्तार

काजीरंगा। असम के दरांग जिले में गैंडे का शिकार करने वाले चार संदिग्ध शिकारियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीजीपी जीपी सिंह ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि चारों शिकारी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में एक गैंडे -शेष पृष्ठ दो पर

स्वार्थ का दैत्य भारत को दबाने की कोशिश में है : भागवत

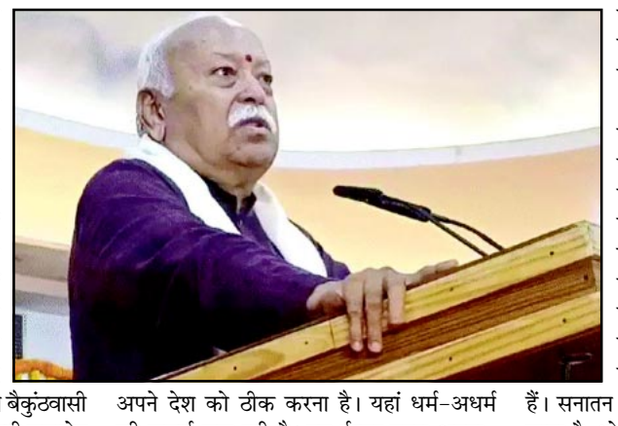

सतना/भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि यह विश्व हमारे ऋषि-मुनियों को हुई सत्य की अनुभूति का परिणाम है। राष्ट्र की नींव में भी सनातन धर्म का वही मूल है जिसमें सभी को धारण करने की क्षमता है। आज देश में धर्म-अधर्म की लड़ाई चल रही है। स्वार्थ का दैत्य भारत को दबाने की कोशिश में है, लेकिन उनकी कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी, क्योंकि सत्य कभी दबता नहीं है। डॉ. भागवत बुधवार को चित्रकूट में आयोजित मानस मर्मज्ञ बैकुंठवासी पंडित रामकिंकर उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब अपने देश को ठीक करना है। यहां धर्म-अधर्म की लड़ाई चल रही है। हम ईश्वर प्रदत्त अपना-अपना कर्तव्य निभाएं, यह अपेक्षा है। यानी धर्म के पक्ष में खड़े हो जाएं लेकिन यह होना है तो आचरण आना चाहिए। एक तरफ स्वार्थ का दैत्य उभरते भारत को दबाने यानी सत्य को दबाने का प्रयास कर रहा है। इसमें वो कभी सफल नहीं होंगे। सत्य कभी दबता नहीं है। हमारी हस्ती इसलिए भी नहीं मिटती, क्योंकि उस हस्ती को हमारी ऋषि-संतों की परंपरा, ईश्वर निष्ठों की मंडली का आशीर्वाद प्राप्त है। सरसंघचालक ने कहा कि भारत, हिन्दू और सनातन धर्म एकाकार हैं। सनातन धर्म को जन-जन के आचरण में लाना है, भोग के वातावरण में त्याग का संदेश देना है। रूप-रंग और -शेष पृष्ठ दो पर

एनएसजी कमांडो ने खुद को मारी गोली, मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। आईजीआई एयरपोर्ट के पास एनएसजी के सुदर्शन कैंप में एनएसजी के एक कमांडो ने बीती देर रात खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। मृतक का नाम नरेंद्र कुमार है। आईजीआई थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन एनएसजी व आईजीआई थाना पुलिस दोनों द्वारा अपने अपने स्तरों पर की जा रही है। पुलिस के अनुसार शिव मूर्ति के नजदीक एनएसजी सुदर्शन कैंप में बीती रात -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव निगरानी एजेंसियों ने 558 करोड़ की नकदी और अन्य सामग्री जब्त किए

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग के अधीन एजेंसियों ने महाराष्ट्र, झारखंड और अन्य राज्यों में हो रहे उपचुनावों के दौरान मतदाताओं को किसी भी तरह के प्रलोभन से बचाने के लिए 558 करोड़ रुपए की नकदी, मुफ्त सामान, शराब, ड्रग्स और कीमती धातुएं जब्त की हैं। आयोग के अनुसार चुनावों की घोषणा के बाद से अकेले महाराष्ट्र राज्य में अभियान से लगभग 280 करोड़ रुपए की आय हुई है। झारखंड से अब तक 158 करोड़ रुपए की जब्ती हुई है। उपचुनाव वाले राज्यों से 118.01 करोड़ की जब्ती की गई है। महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में संयुक्त जब्ती 2019 के विधानसभा चुनाव की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I SABITA TARAI, aged about - 56 years, wife of Pran Tarai and daughter of Chakrapani Bhuyan, by Religion - Hindu, permanent resident of — Victory Colony, 1st Gali, Paralakhemundi, Gajapati, Odisha, PIN-761200 and presently residing at 3 Airformation Signal Regiment C/o. 99 APO, Borjhar, Guwahati-781015, in the District of Kamrup (M), Assam, declare that my actual and correct date of birth is **22/01/1968,** which is recorded in my PAN card vide No. BJDPT2355Q and also Aadhaar card vide No. 3209 0799 9182. But my son namely Sushant Kumar Tarai service No. 15723388F, Rank-NK, in his Service Book, my date of birth has been recorded as 12/12/1968 instead of 22/01/1968, which is incorrect. This declaration is affirmed by affidavit dated 27/08/2024 before the Notary at Guwahati. (ASSAM)

AFFIDAVIT

I CHHANDA MANDAL, aged about - 40 years. wife of Hriday Kumar Mondal and daughter of Santi Ram Mandal. Permanent resident of - Bolur, Kundola, Birbhum. West Bengal. Pin-731224 and presently residing at 3 Airformation Signal Regiment C/o. 99 APO, Borhar, Guwahati-781015, in the District of Kamrup (M), Assam, declare that my actual and correct date of birth is **11/01/1984,** which is recorded in my PAN card vide No. CDXPM0352H and also Aadhaar card vide No. 9933 6779 8312. But my husband namely Hriday Kumar Mondal service No. 15687020L, Rank-HAV, in his Service Book, my date of birth has been recorded as 11/01/1986 instead of 11/01/1984, which is incorrect. This declaration is affirmed by affidavit dated 27/08/2024 before the Notary at Guwahati. (ASSAM)

सड़क पर चल रहे वाहन में लगी आग

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर के बरघाट पुलिस चौकी इलाके में सड़क पर चल रहे वाहन आग लगने की वजह से इलाके में अफरा-तफर मच गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आज सुबह नगांव से बिश्वनाथ चाराली की ओर जा रही टाटा एसी वाहन (एएस-02डीसी-0309) में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक वाहन का काफी हिस्सा जल चुका था। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस का कहना है कि वाहन में यांत्रिक गड़बड़ी के चलते आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जेपीसी पर उठाए सवाल

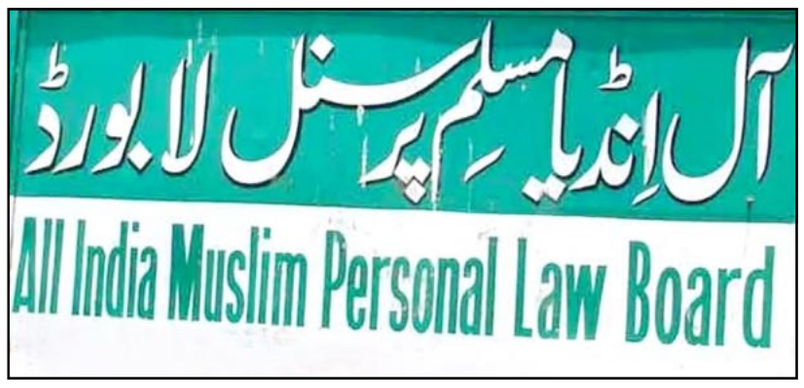

नई दिल्ली (हि.स.)। मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने वक्फ संशोधन विधेयक पर गठित जेपीसी पर सवाल उठाए हैं। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की अव्यवस्थित प्रक्रियाओं और स्थापित सिद्धांतों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर केवल संबंधित व्यक्तियों और संगठनों (स्टेकहोल्डर्स) से ही राय लेनी चाहिए थी, लेकिन वह न केवल केंद्रीय मंत्रालयों, पुरातत्व विभाग, बार काउंसिल, आरएसएस की सहायक संस्थाओं से राय ले रही है, बल्कि उसने कई ऐसी कथित संस्थाओं और संगठनों को भी आमंत्रित किया है, जिनका समाज में कोई वजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले संयुक्त संसदीय समिति में मौजूद विपक्षी दलों के सदस्यों ने लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र लिखकर समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के व्यवहार पर गंभीर आरोप लगाए थे। कल एक बार फिर विपक्ष के 6 सदस्यों ने स्पीकर को पत्र लिखकर अध्यक्ष के निरंकुश व्यवहार की शिकायत की है। उनका आरोप है कि संयुक्त संसदीय समिति की बैठकें इस तरह से लगातार हो रही हैं कि उन्हें पेश किए गए सुझावों का अध्ययन करने और उन पर चर्चा करने का मौका भी नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार, वक्फ से संबंधित मामलों पर असंबंधित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है और पूरी कोशिश की जा रही है कि विधेयक के समर्थन में असंबंधित लोगों से अधिक से अधिक राय प्राप्त की जाए। डॉ. इलियास ने कहा कि जब यह विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया गया था, तब मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और कई मुस्लिम संगठनों ने इन संशोधनों की कड़ी आलोचना की थी। इसी कारण यह विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और विश्वसनीय मुस्लिम संगठनों की आपत्तियों को गंभीरता से लिया जाए और असंबंधित व्यक्तियों और संगठनों की राय को नकारा जाए। इसी तरह जल्दबाजी में कमेटी कोई रिपोर्ट स्पीकर को न प्रस्तुत करे, बल्कि तय की गई संसदीय प्रक्रिया और नियमों के तहत और कमेटी के सभी सदस्यों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद किसी सहमति पर पहुंच कर ही कोई सुझाव प्रस्तुत किया जाए। बोर्ड प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास का कहना है कि समिति जिस तरह से संवैधानिक और संसदीय नियमों और तय किए गए न्यायसंगत तरीकों का उल्लंघन कर रही है, उस पर चिंता जताई जा रही है।

मिर्गी एक पुरानी न्यूरोलॉजिकल बीमारी है : डॉ. श्रीकांत

गुवाहाटी। डॉ. श्रीकांत श्रीनिवासन, कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट, अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई, कहते हैं कि *भारत में लगभग 10 मिलियन मिर्गी के मामले हैं*। वे कहते हैं कि मिर्गी भारत में विभिन्न आयु समूहों को प्रभावित करती है। बच्चों में, आनुवंशिक कारक, जन्म से संबंधित चोटें और मस्तिष्क संक्रमण दौरे के सामान्य कारण हैं। युवा वयस्कों में सिर की चोटें और संक्रमण आम हैं। वृद्ध वयस्कों में-स्ट्रोक, मनोभ्रंश और मस्तिष्क ट्यूमर महत्वपूर्ण रूप से योगदान करते हैं। प्रभावी मिर्गी प्रबंधन के लिए प्रारंभिक निदान महत्वपूर्ण है। मिर्गी के लिए नैदानिक उपकरणों में नैदानिक मूल्यांकन, ईईजी और एमआरआई या सीटी स्कैन शामिल हैं। मिर्गी अक्सर विभिन्न सह-रुग्णताओं से जुड़ी होती है, जिसमें सीखने की कठिनाइयां, स्मृति हानि, अवसाद, चिंता और व्यवहार संबंधी विकार शामिल हैं। ये सह-रुग्णताएं मिर्गी के प्रबंधन को और जटिल बना सकती हैं। मनोरोग संबंधी स्थितियां विशेष रूप से आम हैं क्योंकि मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति अक्सर सामाजिक अलगाव और कलंक का अनुभव करते हैं। मिर्गी के उपचार में एंटी-एपिलेप्टिक दवाएं (एईडी) शामिल हैं, जिसमें 70 प्रतिशत तक रोगी दवा के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया देते हैं। मिर्गी के अधिकांश रोगियों में, दौरे को ठीक करने के लिए कुछ वर्षों का उपचार पर्याप्त होता है। सर्जिकल हस्तक्षेप उन मामलों में माना जाता है जहां दौरे दवा-प्रतिरोधी होते हैं। उपचार योग्य स्थिति होने के बावजूद, भारत में मिर्गी के बारे में जागरूकता कम है। सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में मिर्गी शिक्षा को एकीकृत करना, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के साथ मिलकर, भारत में इस बीमारी के बोझ को काफी कम कर सकता है।

सड़क दुर्घटना में बच्चे की मौत

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में टाटा मैजिक की चपेट में आने से एक 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुन्ना सेड़ा के रूप में हुई है। यह घटना असम और त्रिपुरा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर पटेलनगर इलाके में हुई। मैजिक (टीआर- 05 ई-1900) हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। वाहन को बाद में पुलिस ने शहर के सिलचर रोड से पकड़ लिया।

जंगली सूअर के हमले में एक व्यक्ति की मौत

उदालगुरी (हिंस)। उदालगुरी जिले के बरमुकली इलाके में जंगली सूअर द्वारा किए गए हमले में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आज सुबह 7 बजे के करीब जंगली सूअर के हमले में वैनी दिलो तिग्गा नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सगलिया का रहने वाला बताया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और वन विभाग की एक टीम पहुंची। पुलिस मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

"লৰা শিশু উদ্ধাৰ"

যোৱা ইং ২৪/০৮/২০২৪ তাৰিখে গোৱালপাৰা জিলাৰ শালমাৰী বাছ আস্থানত এটি প্ৰায় পাঁচ বছৰীয়া বয়সৰ লৰা শিশু আগীয়া পুলিচে উদ্ধাৰ কৰে। সেইদিনাই শিশু কল্যান সমিতি, গোৱালপাৰা আৰু কামৰূপ (মহানগৰ) নিৰ্দেশমৰ্ম আগীয়া পুলিচ থানায়ে শিশুটিক গুৱাহাটি বিৰুৱাৰীস্থ "শিশুগৃহত" সমৰ্পন কৰে। যদি কোনো ব্যক্তিয়ে শিশুটিৰ পিতৃ-মাতৃ অথবা অভিভাৱকৰ বিষয়ে জানে তেন্তে এই বাতৰি প্ৰচাৰ হোৱাৰ চাৰিমাহৰ ভিতৰত উল্লেখিত নম্বৰত যোগাযোগ কৰে যেন। ফোন নম্বৰ- 97063-56632 / 80110-01195।

-- Janasanyog / D/8437/24/7-Nov-24

Probation Officer Cum D.C.P.O.
Kamrup Metro, Guwahati

मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में भाजपा नेता एवं मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के *उकसाने वाले* बयान देने के मामले में कोलकाता पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। यह प्राथमिकी कोलकाता के बउबाजार थाने में दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया है कि मिथुन ने शाह की उपस्थिति में भाजपा की एक सभा में भड़काऊ बयान दिए थे। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा गया है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, मिथुन के विरुद्ध बउबाजार थाने में एफआईआर संख्या-255 दर्ज की गई है। एक अधिकारी के मुताबिक, हाल ही में तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर द्वारा भड़काऊ बयान देने का मुद्दा उठाते हुए मिथुन ने कहा था कि मैं गृहमंत्री के सामने कह रहा हूं कि जो करना होगा, करेंगे। हमारे एक नेता कहते हैं कि 70 प्रतिशत मुस्लिम और 30 प्रतिशत हिंदू हैं। ऐसे में गंगा में बहा देंगे। सोचा मुख्यमंत्री कुछ कहेंगी, पर कुछ नहीं हुआ। मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, पर कह रहा हूं कि तुम्हें तुम्हारी ही जमीन में दफना देंगे।

कैबिनेट ने पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना लाई है। इस योजना के तहत 8 लाख रुपए तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को स्थगन अवधि (पढ़ाई करते समय) के दौरान 10 लाख रुपए तक के ऋण पर सामान्य ब्याज दर के मुकाबले 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। योजना के तहत देश के शीर्ष 860 गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले मेधावी छात्रों को शिक्षा ऋण में लाभ मिलेगा। इसका अर्थ है कि हर साल 22 लाख से अधिक छात्र योजना के दायरे में आयेंगे। कोई भी छात्र बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बिना किसी जमानत या गारंटर के ऋण ले सकेगा। कवरेज के विस्तार और बैंकों को सहायता देने के लिए 7.5 लाख रुपए तक की ऋण राशि पर भारत सरकार 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय क्षेत्र की योजना को मंजूरी प्रदान की। योजना का लाभार्थी बनने के लिए छात्र को किसी अन्य सरकारी छात्रवृत्ति या ब्याज छूट योजना के तहत लाभ का पात्र नहीं होना चाहिए। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि एक सरल, पारदर्शी और छात्र-हितैषी प्रणाली के माध्यम से प्रशासित यह योजना पूरी तरह से डिजिटल होगी। योजना से 2024-25 से 2030-31 के दौरान करीब 7 लाख नए छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान में लॉकडाउन लगाने की तैयारी

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में रिकॉर्ड वायु प्रदूषण के कारण बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में पहुंच रहे हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर लोग मास्क पहनने और स्मॉग से संबंधित अन्य दिशा-निर्देशों का पालन करने में विफल रहे तो पूर्ण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। लाहौर बुधवार की सुबह दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 1,100 से अधिक रिकॉर्ड किया गया। गंभीर प्रदूषण से निपटने के लिए स्मॉग वार रूम स्थापित किया गया है। सरकार ने कहा कि वह कृत्रिम वर्षा कराने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादातर लोग खांसी और आंखों में जलन की शिकायत लेकर आ रहे हैं। पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सलमान काजमी ने कहा कि एक सप्ताह में अस्पतालों और क्लीनिकों में सांस की बीमारियों से पीड़ित हजारों मरीजों का इलाज किया गया। लोगों को बाहर निकलने पर फेस मास्क पहनना चाहिए। पिछले महीने से शहर में ऐसे हालात बने हैं। लोगों से फेस मास्क पहनने की अपील पंजाब प्रांत की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने शहर में पूर्ण लॉकडाउन से बचने के लिए लोगों से फेस मास्क पहनने की अपील की है। लाहौर में पहले ही कोयले के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मोटर चालित रिक्शा के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और मैरिज हाल को रात 10 बजे तक बंद करने का आदेश दिया गया है।

No.TECH-213/NIT/KOK(BLDG)/2023-24/3945 *Dated Kokrajhar, the 05/11/2024*

PRESS NOTICE

Tender No. KOK/BLDG-218/26 of 2024-25

The Executive Engineer, P.W.D. Kokrajhar District &Chirang District Territorial Building Division, Kokrajhar invites bids from registered contractors with Class-I (A), (B), (C) and Class-II for ***"Repairing of Office, Class Room and Hostel Room of ANM Training Centre, Kokrajhar alongwith Electrification and water supply facilities"*** for an estimated amount of Rs. 24,82,651.00 (Rupees Twenty Four Lakh Eighty Two Thousand Six Hundred Fifty one)only . The details may be seen at the website http://assamtenders.gov.in.and also in the office of the undersigned during office hours.

Sd/- Executive Engineer, P.W.D.
Kokrajhar Dist. & Chirang Dist.
Territorial Building Division, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/823

पृष्ठ एक का शेष

भारतवंशियों का ...

ईस्ट कोस्ट से चुने जाने वाले समुदाय के पहले व्यक्ति चुनकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के माइक क्लांसी को हराया है। वह वर्तमान में वर्जीनिया राज्य के सीनेटर हैं। सुब्रमण्यम ने कहा कि मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि लोगों ने मुझ पर भरोसा जताया, ताकि मैं सबसे कठिन लड़ाई लड़ सकूं और कांग्रेस में परिणाम दे सकूं। पूर्व में राष्ट्रपति बराक ओबामा के व्हाइट हाउस सलाहकार रह चुके सुब्रमण्यम देशभर में भारतीय अमेरिकियों के बीच लोकप्रिय हैं। श्री थानेदार मिशिगन के 13वें संसदीय जिले से लगातार दूसरी बार चुने गए। उन्होंने इसे पहली बार 2023 में जीता था। राजा कृष्णमूर्ति ने इलिनोइस के सातवें संसदीय जिले से लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि इलिनोइस के लोगों ने कांग्रेस में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए मेरा अनुबंध बढ़ा दिया है। इसी प्रकार कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और वॉशिंगटन राज्य के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल ने भी जीत दर्ज की। पेशे से चिकित्सक डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के छठे संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय मूल के सबसे वरिष्ठ अमेरिकी सांसद हैं। उन्हें लगातार सातवीं बार फिर से चुना गया।

पीएम मोदी ने ...

करने की उम्मीद जताई है, और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने की बात की है। मोदी ने इस पोस्ट के साथ ट्रंप से मुलाकात की कुछ पुरानी तस्वीरें भी साझा की। ऐसी एक तस्वीर में वह ट्रंप के साथ गले मिलते तो दूसरे में दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ठहाके लगाते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को दूसरा कार्यकाल मिलना लगभग निश्चित दिख रहा है। उन्होंने कड़े मुकाबले में अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को पीछे छोड़ दिया है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने 267 निर्वाचक मंडल वोट जबकि हैरिस ने 224 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं। 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट जीतने वाला उम्मीदवार राष्ट्रपति चुना जाता है। ट्रंप बहुमत से सिर्फ तीन वोट दूर हैं। विभिन्न राज्यों से लगातार जीत के स्पष्ट संकेत मिलने के बीच 78 वर्षीय रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच पर अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए जीत की घोषणा की और कहा कि यह अमेरिका का स्वर्णिम युग है।

दुनिया भर से ...

मैक्रों ने एक्स पर लिखा कि साथ काम करने को तैयार हैं जैसा कि हम पहले भी चार साल में करने में सक्षम रहे। आपके और मेरे दृढ़विश्वास के साथ। सम्मान और महत्वाकांक्षा के साथ। अधिक शांति और समृद्धि के लिए। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा अपराह्न दो बजे तक उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने 277 निर्वाचक मंडल वोट, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने 224 निर्वाचक मंडल वोट हासिल किये हैं। लंदन में, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय सह आवास *10 डाउनिंग स्ट्रीट* द्वारा जारी एक बयान में स्टॉर्मर ने कहा कि चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई हो ट्रंप। मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि सबसे करीबी सहयोगी के रूप में, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और उद्यम के अपने साझा मूल्यों की रक्षा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। (आर्थिक) संवृद्धि और सुरक्षा से लेकर नवाचार और प्रौद्योगिकी तक, मुझे पता है कि ब्रिटेन-अमेरिका के विशेष संबंध आने वाले वर्षों में अटलांटिक (महासागर) के दोनों किनारों पर समृद्ध होते रहेंगे। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान स्टॉर्मर ने पहली बार ट्रंप से एक निजी रात्रिभोज पर मुलाकात की थी। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि वे अभी ट्रंप को जीत की बधाई नहीं देंगे। क्रेमलिन ने कहा कि ट्रंप को बधाई देने का फैसला उनके कार्यों और नीतियों के आधार पर किया जाएगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम ट्रंप की नीतियों के आधार पर उनका मूल्यांकन करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बधाई देने की राष्ट्रपति की योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, क्योंकि अमेरिका को एक *अमित्र देश* के रूप में देखा जाता है। इसके विपरीत, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप को बधाई दी और यूक्रेन का समर्थन करने की अपील भी की। जेलेंस्की ने ट्रंप के उस कथन का समर्थन किया जिसमें उन्होंने *ताकत के दम पर शांति* लाने की बात कही थी। उन्होंने अपनी सितंबर में हुई बैठक को भी याद किया, जिसमें यूक्रेन और अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी, जीत की योजना और रूसी आक्रामकता को समाप्त करने के उपायों पर चर्चा की गई थी। रूस पर अक्सर ट्रंप के चुनावों में समर्थन देने का आरोप लगता रहा है। 2016 और 2020 के चुनावों में भी रूस पर ट्रंप की मदद करने का आरोप लगाया गया था। पुतिन के लिए ट्रंप का राष्ट्रपति बने रहना अधिक फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि बाइडेन प्रशासन ने रूस के प्रति कड़ी नीतियां अपनाई हैं। जंग शुरू होने के बाद से बाइडेन सरकार ने यूक्रेन को न केवल आर्थिक, बल्कि सैन्य सहायता भी प्रदान की है।

एनआरसी और ड्रग्स ...

खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री बीरेन ने आज इंफाल में व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा के लिए मुख्यमंत्री कोचिंग योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के बाद वे पत्रकारों से मुखातिब हुए। मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि शांति जरूर आएगी। थाडू राज्य की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आदिवासी समुदायों की पहचान और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए हम अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं। अभी हाल ही में असम की राजधानी गुवाहाटी में थाडू समुदाय का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। लोगों को गलतफहमी है कि थाडु लोग कुकी जनजाति से हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। थाडू एक विशिष्ट जातीय समूह है, जिसकी अपनी विशिष्ट भाषा, संस्कृति, परंपरा और समृद्ध इतिहास है।

रवींद्र भवन और...

कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने कभी भी दिघलीपुखुरी के तटवर्ती इलाकों में पेड़ों को काटने की योजना नहीं बनाई थी, क्योंकि पेड़ों को पुन: रोपना ही एकमात्र विकल्प था। इसी तरह की प्रथाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरे देश में एक मानक बन गया है। दिल्ली में नए असम भवन के निर्माण के दौरान हमने दो बड़े पेड़ों को उस स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर रख दिया; यह एक मानक प्रथा है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा सरकार को 11 नवंबर तक हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिए जाने के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें फ्लाईओवर के निर्माण के लिए वैकल्पिक प्रस्तावों का विवरण दिया गया था। यह निर्देश *गुवाहाटी के चिंतित नागरिकों* नामक एक गठबंधन द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई के दौरान जारी किया गया, जिन्होंने दिघलीपुखुरी के किनारे स्थित सदियों पुराने वृक्षों के संभावित नुकसान के विरोध में आवाज उठाई है। मुख्यमंत्री ने परियोजना को लेकर हो रही आलोचना पर भी टिप्पणी की और कहा कि इसका विरोध दो गुटों-वास्तविक पर्यावरण समर्थक और राजनीति से प्रेरित समूहों - द्वारा किया जा रहा है। शर्मा ने दावा किया कि कुछ लोग उपचुनाव से पहले इस मुद्दे का फायदा उठा रहे हैं। वे नहीं चाहते कि 2026 के चुनावों से पहले फ्लाईओवर का निर्माण पूरा हो जाए, ताकि वे सरकार पर उंगली उठा सकें। विकास और संरक्षण के बीच नाजुक संतुलन को स्वीकार करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि पेड़ों को काटना विकास का हिस्सा है, लेकिन इसे सीमाओं के भीतर होना चाहिए। हां, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना अस्वीकार्य है, लेकिन हमें यह भी समझना चाहिए कि विकास बदलाव की मांग करता है। गुवाहाटी एक वन क्षेत्र से लेकर आज के बुनियादी ढांचे तक एक लंबा सफर तय कर चुका है।

स्वार्थ का दैत्य ...

पूजा पद्धति में विविधता के बाद भी हम एक हैं। ऋषि-मुनियों को लगा कि हमें जो शाश्वत सत्य मिला वो सब को देना चाहिए तो बड़े परिश्रम के बाद राष्ट्र बना। हमारा राष्ट्र विश्व को धर्म देने के लिए बना, लेकिन धर्म ऐसे दिया नहीं जा सकता। धर्म की जानकारी से धर्म प्राप्त नहीं होता। धर्म के आचरण से धर्म प्राप्त होता है। महाभारत से शिक्षा मिलती है कि यह दुनिया कैसी है और रामायण से शिक्षा मिलती है कि उस दुनिया में हमें कैसे रहना है। उन्होंने कहा कि जो भगवान की इच्छा होती है वही होता है। वो बिना आवाज की लाठी है। भगवान की इच्छा है तो भारत का उत्थान हो रहा है। मंदिर भी अयोध्या में बना, बिना संसाधनों के संघ भी खड़ा हुआ। भगवान की भी इच्छा को पूरी करने के लिए पुरुषार्थी लोगों को शस्त्र धारण करने उतरना पड़ता है। समाज को तैयार होना होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार, खेल सब चल रहा है। जीत-हार चल रही है। देश को बड़ा बनाना, लोगों को खुशहाल रखना, दुनिया को राहत देना, ये सब चल रहा है। ये सब बाहर की बातें हैं, ये सब भौतिक साधन हैं। ये सब तो चाहिए, लेकिन इन सब को धारण करने वाला राम चाहिए। अयोध्या में मंदिर तो बन गया, लेकिन विश्व में कोई युद्ध न हो, इसके लिए मन की अयोध्या चाहिए। ये तब होगा जब रामायण, महाभारत की कथा के जरिए इसके मर्मज्ञ लोगों को इन कथाओं में छिपे जीवन दर्शन, रहस्य से परिचित करा कर उनके मन में राम के प्रकाश को जगाएंगे। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने रामकिंकर उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कहा कि उन्होंने रामकथा को अपने जीवन और आचरण में उतारा। धर्म को जी कर दिखाया। कैसे रामकथा इस धरा में प्रलयकाल तक चिर अनंतकाल तक रहने वाली है, यह तो कहा जाता है, लेकिन धर्म तत्व के गूढ़ रहस्यों से उन्होंने सब को परिचित कराया। कथा तो हम भी संघ में बहुत कहते हैं, लेकिन ऐसे आचरण सम्पन्न, धर्म सम्पन्न, पुरुषार्थ सम्पन्न लोग जब ये बताते हैं तो उसके परिणाम मिलते हैं। भक्ति भाव से कथा श्रवण करने से लोगों को जीवन को और उन्नत करने वाला तत्व मिलता है। जीवन परिवर्तन होता है। यह सब हम कर सकें तो यही रामकिंकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। अंत में उन्होंने कहा कि अच्छा भोजन करने के बाद थोड़ा सा कड़वा चूर्ण खाने से हाजमा ठीक होता है। मेरे वक्तव्य को उसी चूर्ण की तरह समझें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संत मुरारी बापू समेत सहित कई संत, महंत और कथावाचक भी मौजूद रहे।

एनएसजी कमांडो ने ...

एक जवान द्वारा आत्महत्या करने की सूचना पीसीआर के माध्यम से मिली। उसके आधार पर पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने लहुलुहान हालत में जवान का शव बैरक के भीतर पड़ा हुआ पाया। जांच में पता चला कि नरेंद्र कुमार भारतीय सेना में थे और इन दिनों प्रतिनियुक्ति पर एनएसजी में तैनात थे। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चुनाव निगरानी ...

तुलना में 3.5 गुना अधिक है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पहले ही सभी अधिकारियों को चुनाव में किसी भी तरह के प्रलोभन के प्रति आयोग की *जीरो टॉलरेंस* की नीति अपनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने अवैध शराब, ड्रग्स, मुफ्त सामान और नकदी के वितरण और आवाजाही पर रोक लगाने के लिए कई एजेंसियों से संयुक्त टीमों को नियुक्त करने के लिए कहा था। इसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र से नकद 73.11 करोड़, शराब 37.98 करोड़, ड्रग्स 37.76 करोड़, कीमती धातु में 90.93 करोड़, उपहार 52.55 करोड़ और मुफ्त सामान 42.55 करोड़ रुपए का जब्त किया गया है। झारखंड में नकद 10.46 करोड़, शराब 7.15 करोड़, ड्रग्स 8.99 करोड़, कीमती धातुएं 4.22 करोड़, मुफ्त समान 127.88 करोड़ रुपए का जब्त किया गया है।

गैंडे का शिकार ...

को मारने की योजना बना रहे थे, तभी मंगलवार रात उन्हें पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि शिकारियों के पास से एक राइफल, गोला-बारूद, तीन मोबाइल फोन, पांच मोटरसाइकिल आदि जब्त की गई हैं।

चुनावी ड्यूटी नहीं करने वाले 5 एसीएस अधिकारी निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने चुनाव संबंधी ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में असम लोक सेवा आयोग (एसीएस) के पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों में कोंकण्योति सैकिया, प्रिस्मिता दिहिंगिया, जिंटू शर्मा, सरोज कुमार डेका और काब्याश्री दिहिंगिया शामिल हैं। इन्हें चुनाव आयोग के प्रोटोकॉल के अनुसार चुनावी पदों पर नियुक्त किया गया था। लेकिन, कथित तौर पर वे अपनी दी गई ड्यूटी पर तैनात होने में विफल रहे। इन अधिकारियों को हाल ही में चुनाव संबंधी ड्यूटी पर चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यों का निष्पादन करने के लिए नियमित प्रशासनिक प्रक्रियाओं के तहत लगाया गया था। लेकिन, आधिकारिक निर्देशों के बावजूद, कोई भी अधिकारी ड्यूटी पर नहीं आया। जिसे कारण बताते हुए असम सरकार द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल इन अधिकारियों पर चुनावी ड्यूटी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर इन्हें निलंबित किया गया है।

नलबाड़ी डीसी पर एफआईआर दर्ज करने का कोर्ट ने दिया आदेश

डीसी पर जूनियर अधिकारी को परेशान करने का आरोप

नलबाड़ी (हिंस)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने नलबाड़ी पुलिस को जिला आयुक्त (डीसी) वर्णाली डेका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश निलंबित असम सिविल सेवा (एसीएस) अधिकारी अर्पणा शर्मा द्वारा उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में दिया गया है। उल्लेखनीय है कि शर्मा द्वारा बीते 8 मई को नलबाड़ी थाना में डीसी के विरुद्ध औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शर्मा द्वारा डीसी डेका पर मानसिक उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया गया था। डीसी ने कथित तौर पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पश्चिम नलबाड़ी राजस्व सर्कल के सर्कल अधिकारी के रूप में कार्यरत शर्मा को परेशान किया। शर्मा के विरुद्ध कार्रवाई 7 मई को हुई थी, जब उन्हें 40-टिहू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (एलएसी) के निर्गम और रसीद काउंटर पर संचालन का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया गया था। शर्मा के आरोपों के अनुसार, डीसी ने उन्हें नियुक्त मजदूरों द्वारा निर्धारित स्थानों पर ट्रंक में संग्रहित सामग्री को तुरंत स्थानांतरित न करने के लिए फटकार लगाई थी। शर्मा का दावा है कि डीसी डेका का व्यवहार लगातार शत्रुतापूर्ण होता गया, जिसके कारण उन्होंने मौखिक दुर्व्यवहार और लगातार उत्पीड़न के सबूत के रूप में बातचीत को रिकॉर्ड करने का प्रयास किया। बढ़ते हुए दुर्व्यवहार से खतरा महसूस करते हुए, शर्मा ने अंततः नलबाड़ी थाने में गुहार लगाई। जहां उन्होंने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस रिपोर्ट पर सुनवाई करने के बाद आज न्यायालय ने डीसी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का नलबाड़ी थाना को आदेश दिया।

बिश्वनाथ में छठ व्रतियों का खरना से शुरू 36 घंटे का निर्जला व्रत

बिश्वनाथ (असम) (हिंस)। देशभर में सूर्योपासना एवं आस्था का महापर्व छठ की पूजा को लेकर उल्लास है। इस बीच बिश्वनाथ जिले के सभी घाट दुल्हन की तरह सजाए गए हैं। जिले के सदर बिश्वनाथ चारिआली शहर के दैनिक बाज़ार में व्रतधारी नंगे पांव छठ के विविध ऋतु फल, अर्घ्यपात और दौरी-सूप खरीदते दिखाई दिए। आज व्रतियों का खीर-पुड़ी एवं फल से खरना करने के बाद 36 घंटा निर्जला व्रत आरंभ हो जाएगा। व्रतियों ने गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी पूरी कर ली है। जिले के सभी छठ पूजा समिति के साथ बिश्वनाथ चारिआली शहर के आमबाड़ी में स्थित श्रीश्री केंद्रीय छठ पूजा घाट और पश्चिम चाराली छठ पूजा समिति के फलफली बाकरी की सजावट तथा आलोक सजा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि गुप्त काशी बिश्वनाथ घाट, हल्दियाबाड़ी, बालिचांग, असम-अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, हेलम, बेदेती, बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी, सतिया, ईटाखोला आदि स्थानों में भी लोक आस्था का महापर्व छठ की छटा देखते बन रही है। पूजा के लिए स्थानीय अल्पसंख्यक समाज के लोग भी फल और सूप-आदि पूजा सामग्री बेचते गए।

माजुली में रासोत्सव की व्यापक तैयारी

माजुली (हिंस)। माजुली में श्रीश्री कृष्ण रसोत्सव की व्यापक तैयारी चल रही है। सत्र नगरी माजुली में 65 से अधिक मंचों पर रास के मंचन की व्यापक तैयारी की जा रही है। आयोजकों के साथ ही कलाकार रंगमंचों की तैयारी में जुटे हुए हैं। हर आयु वर्ग के लोग रास की तैयारी में लगे हैं। माजुली के अजरगुड़ी, नयाबाजार, कुहियाबाड़ी आदि में रास को मिसिंग भाषा में करेंगे। वहीं, मुदैबील,भक्ति द्वार आदि में शिशु रास एवं महिला रास का आयोजन किया जा रहा है। उधर, पूर्वी माजुली में प्रमुख समारोह का आयोजन गायन गांव नवज्योति कृष्टि संघ द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। पूरा माजुली रासोत्सव मनाने में जुटा है। साउंड और लाइट की व्यापक व्यवस्था की गई है। पूरे माजुली को सजाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि माजुली के साथ ही नलबाड़ी, पलासबाड़ी समेत राज्य के अनेक स्थानों पर रास महोत्सव की तैयारी जोड़ों से चल रही है।

जमीन दखल करने वालों ने भाजपा को दखल कर लिया : गौरव गोगोई

बिश्वनाथ (हिंस)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि जमीन और चाय बागान दखल करने वाले लोगों ने भाजपा को दखल कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नए भाजपा के नेताओं ने पुराने भाजपाइयों को दरकिनार कर दिया है और पूरी पार्टी पर ही दखल कर लिया है। गौरव गोगोई आज बिहाली विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव का प्रचार करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस संसद ने आरोप लगाया कि ये नेता जहां-तहां जमीन और चाय बागान दखल कर रहे थे। आज भाजपा को दखल करके घोटाला, सिंडिकेट, भय और धमकी देने की राजनीति करने में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि आज कांग्रेस में लोग शामिल हो रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि कांग्रेस में तीन तरह के लोग शामिल हो रहे हैं। एक, भाजपा के पुराने ऐसे नेता जो पार्टी में दरकिनार कर दिए गए हैं। दूसरा ऐसे लोग, जो हमेशा ही क्षेत्रीयता की राजनीति करते रहे हैं और जाने अनजाने भाजपा को सहयोग करते रहे हैं। ऐसे लोगों का भाजपा से मोह भंग हो चुका है। उन्हें यह विश्वास हो चुका है कि कांग्रेस ही क्षेत्रीय मुद्दों को तरजीह देंगी। इसीलिए ऐसे लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इनके अलावा तीसरे, ऐसे लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, जिनका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संपर्क नहीं है। लेकिन, वे घोटाले, जमीन दखल, धमकी आदि की राजनीति को बदलना चाहते हैं। ऐसे लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। गौरव गोगोई ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी समझौता नहीं किया है और ऐसे तत्वों से समझौता नहीं कर सकती है। कांग्रेस पार्टी अंत तक संघर्ष करती रहेगी। भाजपा की इस प्रकार की राजनीति के विरुद्ध कांग्रेस जूझती रहेगी।

रंगिया में छाई छठ की आलौकिक छटा, खरना संपन्न

रंगया (विभास)। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन आज बुधवार को प्रथम पूजा (खरना) सम्पन्न हो गयी। इसी कड़ी में देश के अन्य भागों की तरह रंगिया में भी ब्रतियों ने आज स्नान के बाद संध्याकाल में गुड़ और चावल की खीर बनाकर तथा घी की रोटी का भोग छठी मैया को लगाया और 36 घंटे के निर्जला ब्रत की शुरुआत कर दी। वहीं छठी मईया के गीतों के बीच व्रती महिलाएं सूर्यदेवता को षष्टि और सप्तमी का अर्घ्य देने के लिए डाला तैयार करने में जुट गई है। प्रतिवर्ष की तरह इसबार भी विभिन्न स्थानों के साथ सन 1961 में स्थापित रंगिया बजार स्थित श्री सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) घाट में श्री सूर्य षष्ठी छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया है। इस छठ पूजा घाट पर समिति द्वारा स्थानीय छठ ब्रतीयो के लिए पूजा अर्चना की समुचित व्यवस्था की गई है, घाट पर श्रद्धालु फूलमाला, केले का पेड़, प्रकाश सज्जा आदि से अपने घाटों को सजाने में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष- राजकुमार गुप्ता से मिली जानकारी के अनुसार घाट पर ब्रतधारियों व श्रद्धालुओं के लिये 7 नवंबर, बृहस्पतिवार को सांध्यकालीन अर्घ्य (प्रथम डाला) तथा शुक्रवार को प्रात:कालीन अर्घ्य (पारण) और प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किये गए है। समिति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार, 7 नवंबर को संध्याकाल अर्घ्य के साथ संध्या 4 बजे से आमंत्रित कलाकार करिश्मा नाथ द्वारा नगाड़ा नाम प्रदर्शन और इसके अलावा रात्रि 9बजे से आमंत्रित गायक कलाकार जगदीश महतो, दिव्या ज्योति और सुनील ठाकुर के सुमधुर गीतों की प्रस्तुति होगी। समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश चन्द काला, विजय जयसवाल और गौतम साह, उपाध्यक्ष शिवनाथ सिंह, विश्वनाथ साह, विश्वनाथ गुप्ता, दिनेश सिंह, देवेंद्र ग्वाला, शिवनाथ गुप्ता, कोषाध्यक्ष सत्येन्द्र गुप्ता, उप कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी, गौरव गुप्ता, संयुक्त सचिव अभिषेक तिवारी, महेश गुप्ता, दिलीप फर्श, सहायक सचिव संतोष साह, पंकज सिंह सहित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की ओर से कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिती और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

चराइदेव में सड़क दुर्घटना में एक की मौत

चराइदेव (हिंस)। चराइदेव के सापेखाती में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि एक तेज रफ्तार महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब मृतक फेरीवाले के रूप में साइकिल पर सामान बेच रहा था। हादसा सापेखाती में नेशनल हाईवे 52 पर रोहन भराली तालाब के पास हुआ। दुर्घटना का कारण बनने वाली स्कॉर्पियो वाहन (एआर- 01के- 5655) को पकड़ लिया गया।

रंगिया : नेहरू युवा केंद्र कामरूप के सौजन्य से *एक पेड़ मां के नाम* शीर्षक कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। केंद्रीय सरकार के खेल और युवा कल्याण मंत्रालय के अधीनस्थ नेहरू युवा केंद्र, कामरूप द्वारा बुधवार को *एक पेड़ मां के नाम* नामक एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वेच्छा सेवी संस्था समृद्धि के सहयोग से 1 नवंबर से 7 नवंबर तक विभिन्न स्थानों में चल रहे इस जागरूकता कार्यक्रम के अंश स्वरूप आज रंगिया के मानवेंद्र शर्मा बालिका महाविद्यालय प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी अध्यक्षा प्रसन्न दास वैश्य, नेहरू युवा केंद्र कामरूप के गाणनिक अधिकारी गोपीनाथ दास, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त प्रशिक्षक हितेंद्र शर्मा, अध्यापक डॉ. मनोज गोस्वामी, विद्याज्योति शिशु निकेतन के मुख्य शिक्षक भास्कर कलिता आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यापक डॉ. हबीबुल हक और समृद्धि के सचिव दीकेन डेका द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सौ से भी अधिक छात्र- छात्राओं को पौधरोपण और वृक्ष संरक्षण की आवश्यकता के बारे मे बताया गया तथा इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री द्वारा *एक पेड़ मां के नाम* शीर्षक स्लोगन द्वारा लोगों को वृक्षारोपण और वृक्ष संरक्षण का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के भाग के रूप में विद्यार्थियों के बीच पर्यावरण पर आधारित प्रश्नों के साथ एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसके समानांतर रूप से महाविद्यालय प्रांगन में 20 पौधे भी लगाए गए।

कोकराझाड़ में विजन डॉक्यूमेंट पर तीन दिवसीय परामर्श बैठक आयोजित

बीटीआर के समुदायों के लिए एक समृद्ध, खुशहाल और शांतिपूर्ण भविष्य की कल्पना

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। विजन डॉक्यूमेंट पर 3 दिवसीय परामर्श बैठक, जिसका शीर्षक *बीटीआर के समुदायों के लिए एक समृद्ध, खुशहाल और शांतिपूर्ण भविष्य की कल्पना* था, 4 नवंबर से 6 नवंबर, 2024 तक कोकराझाड़ के बीटीसीएलए ऑडिटोरियम हॉल में हुई। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम बीटीसी के अपने सभी समुदायों के लिए शांति, समृद्धि और एकता के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण तैयार करने के प्रयासों में एक मील का पत्थर साबित हुआ। बैठक में भाग लेते हुए, बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो ने बीटीआर सरकार की उस प्रतिबद्धता को मजबूत किया जिसके तहत एक ऐसा क्षेत्र बनाया जाएगा जहां सभी के लिए शांति, खुशी और न्याय सुलभ हो। उन्होंने बीटीसी के समावेशिता के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास पहल बीटीआर में हर समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार की जाती हैं। उन्होंने स्थानीय आवश्यकताओं और आकांक्षाओं पर विचार करने वाले शासन के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। बीटीसी ईएम धर्मनारायण दास ने इस भावना को दोहराया, शांति स्थापना के लिए बीटीसी के समर्पण पर जोर दिया और यह सुनिश्चित किया कि विजन दस्तावेज बीटीआर के लोगों की सामूहिक आकांक्षाओं को दर्शाता है। परामर्श बैठक का उद्घाटन 4 नवंबर को बीटीसीएलए के अध्यक्ष और विजन दस्तावेज समिति के अध्यक्ष खातीराम बोड़ो ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, अध्यक्ष बोड़ो ने बीटीआर के लिए साझा भविष्य की कल्पना करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रत्येक समुदाय के अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं, लेकिन प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि बीटीसी अपनी क्षमताओं के भीतर इनको संबोधित करने का प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीटीसी बाहरी हस्तक्षेप की आवश्यकता वाली जरूरतों का समर्थन करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ जुड़ेगा। अंतिम दिन, 6 नवंबर को, बैठक में 31 संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भागीदारी में वृद्धि देखी गई। बीटीसी ईएम विल्सन हसदा ने सत्र को संबोधित किया, विजन दस्तावेज प्रक्रिया के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह दस्तावेज केवल एक प्रशासनिक उपकरण नहीं है, बल्कि बीटीआर के समुदायों के लिए आशा और आकांक्षा का प्रतीक है। उन्होंने प्रतिभागियों से जुड़े रहने का आग्रह किया, क्योंकि उनका योगदान एक ऐसे भविष्य को आकार देने में मदद करेगा जहां सभी समुदाय एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। तीन दिनों में, विभिन्न छात्र निकायों और सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से योगदान दिया, अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा किया। बैठकों की अध्यक्षता बीटीसी के संयुक्त सचिव और विज़न डॉक्यूमेंट कमेटी के सदस्य सचिव रिंटू च. बोड़ो ने की। परामर्श का उद्देश्य बीटीआर में प्रत्येक समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली आकांक्षाओं और चुनौतियों पर सार्थक संवाद में समुदाय के प्रतिनिधियों, हितधारकों और नेताओं को शामिल करना था।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के तहत सरायघाट महाविद्यालय में नुक्कड़-नाटक एवं जागरूकता अभियान आयोजित

रंगिया (विभास)। तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के हिस्से के रूप में, तंबाकू या तंबाकू उत्पादों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से बुधवार को कामरूप जिले के सरायघाट महाविद्यालय में एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। नाटक का आयोजन कामरूप जिले के तंबाकू नियंत्रण सेल द्वारा तथा निर्बाक नाट्य समूह के सहयोग से यह आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के जरिए युवाओं में तंबाकू के उपयोग के कारण होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा की गई। वहीं इसके पश्चात एक शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने तंबाकू उत्पादों के सेवन से परहेज करने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों के बीच सूचनात्मक पत्रक भी वितरित किए गए।

No.DWCD(BTC)257/2024-25/46 *Dated Kokrajhar, the 6th November, 2024*

ITI-Ability Program to Enhance Skill Development for Youth with Disabilities in BTR

The Bodoland Territorial Region (BTR), the Bodoland Territorial Council (BTC), in partnership with Shishu Sarothi, has launched the ITI-Ability Program to provide inclusive skill development opportunities tailored for persons with disabilities, helping them acquire vocational skills that enhance employability and open pathways for sustainable livelihoods. The program will be implemented at ITI Kokrajhar, where a range of one-year vocational training courses will be offered to support this mission.

The ITI-Ability Program is open to individuals aged 14 to 35 with disabilities, residing in any of the BTR districts, including Kokrajhar, Udalguri, Baksa, and Tamulpur. The program covers essential expenses, including course fees and a monthly stipend for eligible students.

The course selection reflects a careful assessment of market demand and skill relevance, with six vocational trades offered under the program:

1. COPA (Computer Operator and Programming Assistant) – Suitable for individuals with locomotor disabilities, low vision, and other disabilities.
2. Multi-Media – Prepares students with skills in media and digital communication, catering to various disabilities, including deafness and intellectual disabilities.
3. Secretarial Practices – Focuses on administrative skills, helping youth with disabilities qualify for office-based roles.
4. Basic Cosmetology – Trains participants in beauty and personal care services, an industry that provides flexible work options and entrepreneurial potential.
5. Sewing Technology – Teaches garment making and tailoring, providing skills for local entrepreneurship or employment in the textile industry.
6. Bamboo Works – A course aimed at harnessing traditional skills in bamboo craftsmanship, aligning with local industries and cultural heritage.

Key Timelines and Application Process:

Applications for the ITI-Ability Program will open on November 4, 2024, and close on November 18, 2024. Classes are set to commence in mid-December, with a training duration of one year.

For more information, interested candidates or their guardians are encouraged to visit **www.iti-abilitiy.org** or contact local coordinators in their respective BTR districts for application details and further support.Prospective students can apply online or reach out to a dedicated helpline (+91-8822867130) managed by Shishu Sarothi for assistance withapplications and other queries between 10:00 AM to 6:00 PM on working days.

Sd/- i/c. Joint Director cum CHD,
Women & Child Development, BTC,
Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/830

No.KED/NIT-66/Pt-I/2024-25/2356 *Dated Kokrajhar, the 05/11/2024*

DETAILS TENDER NOTICE

Sealed tender in proscribed form affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paise twenty five) only subsequently to be drawn up in printed "F-2" form with validity period of-'90 (Ninety)" days from the date of receipt of lenders are invited from the Registered Class-I (A, B, C) & Class-II P.W.D. Electrical Contractor under P.W.D, Guwahati Electrical Circle, Guwahati-1 and the Registered Class-III P.W.D. Kokrajhar Electrical Division of 2024-25 and having valid Electrical Contractor licence for the following electrical works and will be received in the Office of the undersigned up to 2.00 P.M of 14/11/2024 and will be opened at 3.00 P.M. of the same date. The Contractors or their authorized agents may be present at the time of opening tender.

Sl. No.	Name of Work	Approx Estimated Value	Time of Completion	Earnest Money
1	Providing and Installation of Fire Safety Facility System in the Boys Hostel Building, Girl's Hostel Building, Workshop Building, Principal Quarter and Supdt. Quarter at the Goalpara Polytechnic, Goalpara under SOPD-G during the year 2024-25. (Boys Hostel Building & Girl's Hostel Building. (Ground Floor). Group-A.	Rs. 19,91,071.00	90 (Ninety) Days	General 2% (Two)P.C. of Tender value (1% of Tender value in case of OBC/SC/ST)
2	Providing and Installation of Fire Safety Facility System in the Boys Hostel Building, Girl's Hostel Building, Workshop Building, Principal Quarter and Supdt. Quarter at the Goalpara Polytechnic, Goalpara under SOPD-G during the year 2024-25. (Workshop Building, Principal Qtr. and Supdt. Qtr.) Group-B.	Rs. 12,53,199.00		

Tender forms can be had from the Office of the undersigned and Executive Engineer, P.W.D. Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar during working hours and up to 2.00 P.M. 13/11/2024 on application mentioned registration No. etc. on payment of S.L. No. (1) Rs. 1000.00 (Rupees One thousand) only and S.L. No. (2) Rs. 500.00 (Rupees Five hundred) only per set by Indian crossed postal order payable to the Executive Engineer, P.W.D. Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar.

Sd/- Executive Engineer, P.W.D.,
Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/824

ओरांग नेशनल पार्क में शिकार की योजना बना रहे चार लोग गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हिंस)। ओरांग नेशनल पार्क में गैंडे के शिकार की योजना बनाने के सिलसिले में दरंग पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने आज सोशल मीडिया के जरिए बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान नूर हुसैन, अबुल हुसैन, जाफर अली तथा नूर इस्लाम के रूप में की गई है। गिरफ्तार लोगों के पास से एक .303 राइफल, गोला-बारूद, तीन मोबाइल हैंडसेट, पांच मोटरसाइकिल और कैंपिंग स्टोर जब्त किए गए हैं। वे नेशनल पार्क के अंदर जाकर शिकार करने की योजना बना रहे थे। पुलिस महानिदेशक ने दरंग पुलिस और इनपुट देने वाली इकाइयों को बधाई दी है।

संपादकीय

क्या कनाडा 'खालिस्तान' है?

क्या कनाडा खालिस्तानी देश बन गया है? खालिस्तान समर्थक गुंडों और अतिवादियों ने जिस तरह दो हिंदू मंदिरों में घुस कर उत्पात मचाया। हिंसा में महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा। हिंसा के ऐसे सिलसिले जारी रहें, कनाडा के हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ते रहें, प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तानी अतिवादियों के खिलाफ एक भी शब्द न बोलें, कार्रवाई करना तो दूर की कौड़ी है, तो उस देश को क्या मानेंगे? जब 2021 में ट्रूडो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका, तो उन्हें खालिस्तान समर्थकों के सहारे ही सरकार बनानी पड़ी। कनाडा में खालिस्तानी निरंकुश होते गए और सरकार में उनका दखल बढ़ता रहा। खालिस्तानी गुंडों ने गौरीशंकर, जगन्नाथ, विष्णु, लक्ष्मीनारायण और रामधाम आदि मंदिरों पर हमले किए। दैवीय समेत महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को तोड़ा, गोलीबारी की और हिंदुत्व को अपमानित किया। कनाडा में करीब 9.5 लाख हिंदू रहते हैं। अधिकतर कनाडा के ही नागरिक हैं। जाहिर है कि वे अल्पसंख्यक भी हैं।

> हिंसा के ऐसे सिलसिले जारी रहें, कनाडा के हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ते रहें, प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तानी अतिवादियों के खिलाफ एक भी शब्द न बोलें, कार्रवाई करना तो दूर की कौड़ी है, तो उस देश को क्या मानेंगे? जब 2021 में ट्रूडो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका, तो उन्हें खालिस्तान समर्थकों के सहारे ही सरकार बनानी पड़ी। कनाडा में खालिस्तानी निरंकुश होते गए और सरकार में उनका दखल बढ़ता रहा। खालिस्तानी गुंडों ने गौरीशंकर, जगन्नाथ, विष्णु, लक्ष्मीनारायण और रामधाम आदि मंदिरों पर हमले किए। दैवीय समेत महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को तोड़ा, गोलीबारी की और हिंदुत्व को अपमानित किया। कनाडा में करीब 9.5 लाख हिंदू रहते हैं। अधिकतर कनाडा के ही नागरिक हैं। जाहिर है कि वे अल्पसंख्यक भी हैं।

आश्चर्य है कि कनाडा समेत अमरीका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सरीखे बड़े देश इन हमलों के मद्देनजर न तो हिंदुओं के मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं और न ही खालिस्तानी अतिवाद की भर्त्सना करते हुए कनाडा का विरोध करते हैं। इन सभी देशों के साथ भारत के 'रणनीतिक साझेदार' के संबंध हैं और रहे हैं। यदि ऐसी ही हिंसा भारत में हो जाए, तो सभी पश्चिमी देश मुसलमानों और ईसाइयों के सामाजिक मानवाधिकारों का प्रलाप करने लगेंगे। भारत को नसीहत देने लगेंगे और कुछ चेताएंगे भी। सवाल यह है कि कनाडा में खालिस्तान के हमलावर समर्थकों को हिंदुओं से ऐसी नफरत क्यों है कि वे मंदिरों पर लगातार हमले कर रहे हैं और श्रद्धालुओं के साथ मारपीट भी करते हैं? ऐसी कोई परंपरागत दुश्मनी भी नहीं है। दोनों समुदाय मूलतः भारतीय हैं। सिखों की मानसिकता तो धर्मनिरपेक्ष है और अधिकतर सिख 'खालिस्तान' के पक्षधर और समर्थक भी नहीं हैं। बीते रविवार को जो हंगामा हुआ, हिंसा की गई, उसमें भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी कुचल-कुचल कर अपमान किया गया। खालिस्तान न तो कोई देश है, न ही उसका कोई संविधान है और न ही उसका कोई अधिकृत झंडा है, लेकिन कनाडा की पुलिस खालिस्तान के कथित झंडे की ऐसी सुरक्षा कर रही थी मानो वह मान्यता प्राप्त देश का राष्ट्रीय ध्वज हो! उस झंडे के लिए हिंदुओं को हडक़ाया जा रहा था कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। बहरहाल 'वैश्विक मानव स्वतंत्रता सूचकांक' में कनाडा का स्थान 13वां है। धार्मिक आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वहां बड़ा महत्व दिया जाता रहा है। फिर ये हिंदू पूजास्थलों पर हमले और हिंसा क्यों किए जा रहे हैं? दरअसल भारत-कनाडा के राजनयिक रिश्ते इतने बिगड़ चुके हैं कि दोनों देशों ने, अन्य देश के, राजनयिकों को देश से निकाल दिया। दोनों ने अपने-अपने उच्चायुक्तों को भी वापस बुला लिया। भारत ने उनकी सुरक्षा के संदर्भ में ट्रूडो सरकार पर भरोसा नहीं किया। कनाडा ने भारत को उस श्रेणी के देशों में डाल दिया है, जिसमें ईरान और उत्तरी कोरिया जैसे देश हैं। क्या खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से ही दोनों देशों के संबंध इतने बिगड़े हैं? कनाडा आज तक एक भी सबूत नहीं दे पाया है कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ था। बल्कि अमरीका ने भी बार-बार भारत से आग्रह किया है कि वह कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन खालिस्तानी अतिवादियों की हिंसा के संदर्भ में अमरीका कनाडा को कोई परामर्श नहीं देता कि मानवीय हिंसा नहीं होनी चाहिए। अमरीका में कथित खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू खुलेआम सक्रिय है। अमरीका उसे वकील और बौद्धिक-सामाजिक शख्सियत करार देता रहा है। 'आतंकवादी' को लेकर अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत की परिभाषाएं भिन्न हैं। बहरहाल इन घटनाओं पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- 'हिंदू मंदिरों पर जानबूझ कर किए गए हमलों की मैं कड़ी निदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी भयावह हैं। ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर पाएंगे। उम्मीद है कि कनाडा की सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी।'

भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रहलाद सबनानी

> पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं।

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था। भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक

रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है। एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है। उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा।

दृष्टि कोण

समृद्धि के लिए कर्मचारियों में कार्य नैतिकता जरूरी

किसी देश या प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास अथवा समृद्धि के लिए यह अति आवश्यक है कि सरकारी एवं अद्र्ध-सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारी एवं अधिकारी कार्य नैतिकता एवं संस्कृति से प्रेरित हों। तभी उन विभागों व संगठनों के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। विभाग के प्रबंधन को पहले खुद कायदा-कानूनों का पालन करना पड़ता है। तभी कर्मचारी इनका अनुसरण करते हैं। कर्मचारियों को भी व्यक्तिगत एवं पेशेवर नैतिकता बनाए रखनी चाहिए। तभी लंबे समय के लिए उनके हित सुरक्षित रह सकते हैं। कर्मचारियों में कार्य नैतिकता एवं संस्कृति लाना प्रबंधन तथा कर्मचारियों के नेताओं का दायित्व है। विभागों के प्रबंधकों को भी कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों को, जो संविधान में वर्णित हैं, मानना होगा। देश के दुर्लभ संसाधनों के उचित बंटवारे के लिए आवश्यक है कि सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को कत्र्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से कार्य कर संगठन/संस्था के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करनी चाहिए। राजनेताओं को भी इन संगठनों के प्रशासकों से स्वार्थपूर्ण नीतियां नहीं बनवानी चाहिए। संगठन/संस्था समाज का अपरिहार्य हिस्सा होता है। संस्था चाहे उद्योग हो या सेवा प्रतिष्ठान हो, नैतिकता के नियम जो समाज में प्रचलित हों, उनकी समझ तथा पालना होनी चाहिए। यह विभाग के प्रबंधन का कत्र्तव्य है कि वह कार्य नैतिकता के लिए समय-समय पर कर्मचारियों को प्रेरित करे। हिमाचल प्रदेश के लोग ईमानदारी और कत्र्तव्यनिष्ठा के लिए दुनिया में जाने जाते हैं, परंतु वर्तमान में प्रदेश में भी सरकारी एवं अद्र्ध सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार ने अपने पांव पक्की तरह पसार दिए हैं तथा कार्य संस्कृति का स्तर नीचे गिर रहा है। भ्रष्टाचार सतत विकास के लिए बाधा है, क्योंकि यह साधनों को डायवर्ट करता है। जहां इनकी जरूरी सेवाओं और आर्थिक विकास में आवश्यकता होती है, वहां इनका उपयोग नहीं होता है। यह समाज तथा प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए सही नहीं है। इस ओर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि वित्तीय संकट में दुर्लभ संसाधनों का सदुपयोग तथा कार्य गुणवत्ता लाई जा सके। वैसे तो बहुत से भ्रष्टाचार के मामले रोज समाचार पत्रों में पढऩे को मिलते हैं, परंतु उनमें से मात्र कुछ यहां वर्णित केसों से पता लगता है कि हिमाचल में कर्मचारी अपने विभागों के मानदंडों तथा कार्य नैतिकता का पालन नहीं कर रहे हैं। नैतिकता की प्रेरणा ही किसी संगठन तथा संस्था को पूर्णतया सुचारू, पारदर्शी तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित कार्यशील कर सकती है। पुलिस थाना नालागढ़ में एक दंपति के साथ पुलिस द्वारा मारपीट तथा प्रताड़ित करने के मामले में 6 पुलिस कर्मचारियों पर प्रदेश हाई कोर्ट के आदेशों पर 27 दिसंबर 2023 को मामला दर्ज किया गया। पालमपुर के कारोबारी पर पुलिस अधिकारी द्वारा जानलेवा हमला किया गया, जिसका केस हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में चल रहा है। नादौन में कार्यरत रहा एसएचओ घूसखोरी और ड्रग्स केस में विजिलैंस की ग्रिफिथ से भाग निकला, जिसे दिसंबर 2021 में विजिलेंस ने बुक किया। जवाली में कार्यरत एसडीपीओ को अगस्त 2019 में 45000 रुपए रिश्वत लेते पकड़ा गया था। लोगों को पुलिस द्वारा डराना-धमकाना तो सामान्य बात हो गई है। पुलिस मुख्यालय की संदिग्ध सत्यनिष्ठा की लिस्ट में 121 पुलिस कर्मचारी हैं। ये कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक हैं। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने हमीरपुर जिला के एक पटवारी को जमीन से संबंधित कागजात बनाने की एवज में 1000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में 3 अक्टूबर 2024 को दो साल की सजा सुनाई। पालमपुर में जाली दस्तावेजों पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मिलीभग्त से धारा 118 का उल्लंघन करते हुए गैर हिमाचली के नाम जमीन कर दी। 11 अक्टूबर 2024 को नगरोटा में कृषि प्रमाणपत्र के लिए संबंधित पटवारी ने मलां निवासी मनोज कुमार से 20000 रुपए की रिश्वत ली और पकड़ा गया। राजस्व विभाग के कर्मचारियों से तो जनता को काम करवाना एक टेढ़ी खीर है। बहुत से म्यूटेशन, जमाबंदी, अतिक्रमण, निशानदेही, हक्मी और खानगी तकसीम सहित राजस्व मामले पेंडिंग रहते हैं। फील्ड में पटवारी एवं कानूनगो सर्वेसर्वा होते हैं। वो जो चाहें, वो ही होता है, क्योंकि उच्च अधिकारी फील्ड में कम ही जाते हैं। इसलिए इस विभाग में घूसखोरी ज्यादा होने के आरोप हैं। विजिलेंस की टीम ने पिछले कुछ सालों में राजस्व विभाग के घूसखोर पकड़े।

कुछ अलग

लक्ष्मी पूजा में ध्वस्त हूं...

तो जनाब! अबके भी दीपावली को हुआ यों कि हर बार की तरह दीपावली को प्रभु राम के आने पर उनके स्वागत की फुल तैयारी थी। दाल-सब्जी के तडक़े में नकली सरसों का तेल डलता रहे तो डलता रहे, पर शुद्ध सरसों के तेल के दीए तैयार थे जलने को। ताकि वे आएं तो मेरे घर में कम से कम अब राम राज की स्थापना हो। ऑफिस में दिन में दस दस चूहे खाने के बाद हर बार पेट पर हाथ फेरते सोचा, जो एक बार प्रभु राम मेरे घर दीपावली को आ जाएं तो इन चूहों को खाने पचाने से मुक्ति मिले और मैं इज्जत के साथ रिटायर हूं। बदनाम होकर बहुत नौकरी कर ली। अब मैं भी शेष निःशेष बचा बाबाओं की तरह सुधर जाऊं और मेरा बचा घर भी। वे आएं तो मैं उनकी शरण में बैठ उनकी तरह आदर्शवादी मुखिया हो जाऊं तो मेरी बीवी उनकी पत्नी की तरह। ताकि फिर ऐसा न हो कि लड़े भी वही और मुझे कोसती मायके को भी जाए वही। मित्रो! विवाह से पहले मैं विशुद्ध आदर्शवादी था, विशुद्ध शाकाहारियों की तरह। इसलिए मैंने जबसे दीपावली को राम के आने के महत्व के बारे में जाना, हर बार उनका मन से इंतजार किया। रात रात भर किया। पर वे नहीं आए तो नहीं आए। मत पूछो! तब मेरी भावनाओं को कितनी ठेस लगी होगी? इधर विवाह हुआ और ज्यों ज्यों इधर उधर की चकाचौंध में गृहस्थी का भार धीरे धीरे जैसे मेरे कमजोर सरकारी पद के कंधों पर बढने लगा तो मैं दीपावली को प्रभु राम के इंतजार की ओर से विमुख हो लक्ष्मी मां के पूजन की ओर शनैः शनैः उन्मुख होने लगा। मुझे लगा ज्यों घर सही ढंग से चलाने के लिए प्रभु राम की नहीं, मां लक्ष्मी की जरूरत हो। वैसे आदर्शों से घर नहीं चला करते जनाब! रेंगा करते हैं। जिस तरह गीता पर हाथ रखकर कसम खाने के बाद भी सच-झूठ बोल कोर्ट में केस नहीं जीते जाते, उसी तरह से लाख आदर्शों की बातें करने के बाद भी मां लक्ष्मी की ऐसी वैसी कृपा के बिना घर नहीं चला करते। खासकर आज के दौर में जब पीउन भी महाराजाओं सी मस्ती करने को अपने ऑफिस के स्टूल पर बैठा कुलांचे मार रहा हो। ज्यों ही सबसे लीडिंग अखबार में बताया मां लक्ष्मी के पूजन का विशेष मुहूर्त हम दोनों के सिर पर मंडराया तो मैं और मेरी लक्ष्मी प्रिया श्रीमती साष्टांग मां लक्ष्मी के श्री चरणों में। मेरी श्रीमती ने तो तस्वीर में विराजमान मां लक्ष्मी के चरण ऐसे पकड़ लिए कि पूछो ही मत। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन पिपासु अपनी प्रमोशन के लिए किसी नेता के चरण पकड़ लेता है। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन पिपासु अपनी प्रमोशन के लिए अपने बॉस के आगे-पीछे चरण पकड़े पूंछ हिलाता है। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन प्रिय अपनी प्रमोशन के लिए गधे के चरणों में भी सहर्ष लोटपोट जाता है। ये प्रमोशन है ही कंबख्त ऐसी कुत्ती चीज! बड़े-बड़े आदर्शवादियों के मजे से गधों के आगे नाक रगड़वा देती है। क्योंकि सबको पता है कि प्रमोशन है तो धन है। धन है तो मस्त-मस्त जीवन है। मेरे जैसा नौकरी क्यों करता है? ऑफिस में आकर जनता के काम करने के लिए नहीं? न बाबा न! मौका मिलते ही प्रमोशन पाने के लिए। बचे टाइम में जहां से जो मिला, प्रभु का प्रसाद समझ खाने के लिए। और तब जितनी भी ऑनलाइन, ऑफ लाइन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हमारे घर में आरतियां मौजूद थीं, हम दोनों ने मिलकर बड़े तरन्नुम में गाईं। उस वक्त जो हमारे सुर-ताल को वहां आकर सूरदास भी सुनते तो वे भी दांतों तले उंगली दबा लेते। उस वक्त जो हमारे सुर-ताल को वहां आकर मीरा भी सुनतीं तो वे भी दांतों तले उंगली दबा लेतीं। उन्हें लगता कि उनका असली रैदास तो मैं हूं। इधर हम मां लक्ष्मी को लुभाने-रिझाने के लिए पूरे चालूपन वाले समर्पण से एक से एक आरती गा रहे थे कि उधर दरवाजे पर दस्तक हुई। कोई बेल पर बेल बजाते भीतर आने की परमिशन मांग रहा था, 'मे आई कम इन जी? मे आई कम इन जी?' 'बस भी करो यार बेल बजाना! कान खा कर रख दिए। देखते नहीं, अभी लक्ष्मी पूजा में व्यस्त हूं, बाद में आना', पड़ोसी ही होगा। भगवान तो माया सवारियों के घर आने से रहे।

देश दुनीया से

महिला अस्मिता का पक्ष

मैरिटल रेप, यानी पत्नियों के ऊपर यौन हिंसा जायज है या फिर नाजायज, इसको लेकर चर्चा जोरों पर है। आखिर मैरिटल रेप क्या है? भारतीय न्याय संहिता के तहत अगर कोई पुरुष किसी महिला की सहमति के बगैर उसके साथ संबंध बनाता है तो यह बलात्कार है। इसके लिए कम से कम दस साल की सजा का प्रावधान है और कुछ मामलों में यह सजा उम्रकैद भी हो सकती है। हालांकि बिना सहमति के कोई व्यक्ति अगर अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाए और अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे अधिक है तो यह कानूनन बलात्कार नहीं है। इस समय यह ज्वलंत मुद्दा देश की न्याय व्यवस्था के समक्ष विचाराधीन है। भारत उन तीन दर्जन देशों में से एक है जहां शादी के बाद अपनी पत्नी से बिना मंजूरी के संबंध बनाने को बलात्कार नहीं माना जाता है। दुनिया के 185 देशों में से, 77 देशों में मैरिटल रेप पर कानून बना है। बाकी 108 देशों में से 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है, जबकि भारत समेत 34 देश ऐसे हैं जहां पत्नी से रेप करने वाले पति को समाज के साथ कानून भी दोषी नहीं मानता है। इंटीमेसी यानी कामुकता और सेक्स संबंध पति-पत्नी के रिश्ते का अहम पहलू है, लेकिन अगर पति-पत्नी के बीच दुष्कर्म की बात कही जाए तो शायद कुछ लोग इसे मानने से इनकार करेंगे। लेकिन मैरिटल रेप पर हमारे देश में आए दिन चर्चाएं हो रही हैं। मैरिटल रेप यानी जब पति पर अपनी ही पत्नी के दुष्कर्म के आरोप लगें। जब पति ही पत्नी का शारीरिक शोषण करे, तो अनेक सवाल खड़े हो जाते हैं। अब आप कहेंगे कि पति-पत्नी के बीच तो शारीरिक संबंध होते ही हैं, तो फिर यह मैरिटल रेप दुष्कर्म कैसे हुआ? दरअसल मैरिटल रेप को लेकर हमारे देश में दो मत हैं। एक वर्ग का मानना है कि

मैरिटल रेप जैसे कानून के आने के बाद इसका गलत इस्तेमाल किया जाएगा, क्योंकि शादी से जैसे रिश्ते में यह तय करना कि कब रेप हुआ है और कब नहीं, बेहद मुश्किल है। मैरिटल रेप के आरोपी को अपने आपको निर्दोष साबित करने में कठिनाई होगी। साथ ही कुछ पत्नियों द्वारा कानून का ज्यादातर दुरुपयोग किया जाएगा। वहीं महिला संगठन इसे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जरूरी मानते हैं। उनका मानना है कि मैरिटल रेप स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। वैवाहिक जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। लेकिन असहमति तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। यूं तो किसी भी वैवाहिक संबंध में पति और पत्नी लगातार एक-दूसरे से उचित यौन संबंध की अपेक्षा रखते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि पति अपनी पत्नी के शरीर की आजादी को हिंसक तरीके से भंग कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी 1993 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा संबंधी अपने घोषणापत्र में मैरिटल रेप को शामिल किया था। यूएन ने सभी देशों से कहा था कि इसे महिलाओं के साथ हिंसा के तौर पर ही देखा जाए। साथ ही, इससे जुड़े कानून बनाने की भी गुजारिश की थी। विश्लेषकों के अनुसार, चूंकि यह अपराध घर के बंद कमरों में होता है, इसलिए इसे लेकर समाज में शुरू से ही एक तरह की मौन स्वीकृति रही है। यौन हिंसा को लेकर बड़े स्तर पर अलग-अलग देशों के कानून में प्रगतिशील बदलाव देखे गए हैं। वहीं, पति द्वारा किए जाने वाले 'वैवाहिक बलात्कार' को आज भी एक सवालिया नजर से देखा जाता है। अमरीकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च के एक सर्वे के मुताबिक, हर 10 में से 9 भारतीयों का यह मानना है कि पत्नियों को पतियों की बात माननी चाहिए। बात न मानने की सूरत में और महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता के हनन का नतीजा अक्सर हिंसा के रूप में सामने आता है। अब भी दुनिया के एक बड़े हिस्से में इस अवधारणा को सामाजिक स्वीकृति मिली हुई है कि शादी के रिश्ते में सेक्स के लिए सहमति का कोई महत्व नहीं है। दूसरी तरफ आज की तारीख में 150 देशों में मैरिटल रेप को अपराध घोषित किया जा चुका है। प्रथाओं के चलते, अपने देश में कुछ खास दिनों में सेक्स से परहेज अनिवार्य होता था। लेकिन ये सब अवरोध पुरुषों के लिए थे। एक तरह से यह मान कर चला जाता था कि सेक्स पर स्त्री मौन रहेगी। जब भी उसका पति उसके साथ सहवास की इच्छा व्यक्त करेगा, पत्नी ना-नुकुर नहीं कर सकती। यदि कहीं किसी स्त्री ने अपनी पहल पर पति से सेक्स की इच्छा व्यक्त की तो उसे बेहया और बेशरम कहा जाता था। स्त्री की यह स्थिति दुनिया के सभी कथित समाजों में है। अपने यहां क्या स्थिति है, हम सब भली-भांति सब कुछ शायद जानते हैं। गहराई से सोचें तो मैरिटल रेप का मसला सीधे तौर पर महिलाओं की शारीरिक आजादी से जुड़ा है। लेकिन स्त्री शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के चलते अब एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि यदि पत्नी की इच्छा नहीं हो और पुरुष उससे जबरदस्ती सेक्स करे तो यह यौन दुष्कर्म होगा। इसे मैरिटल रेप कहा जाएगा। शादीशुदा जिंदगी में पुरुषों को इस तरह के हालात से बचना चाहिए, क्योंकि यह वैवाहिक रिश्तों का एक शर्मनाक पहलू है। जब यौन संतुष्टि यौन हिंसा में बदल जाए तो स्त्री-पुरुष संबंध अच्छे नहीं हो सकते। भारत के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक, हर तीन में से एक महिला के साथ उसके पति ने शारीरिक या यौन हिंसा की थी। सबसे अधिक महिलाओं ने इस बात की शिकायत की कि इनकार करने के बावजूद पति उनके साथ जबरन यौन संबंध बनाते हैं। क्या सामाजिक दृष्टि और कानूनी नजरिए से इसे मान्यता दी जा सकती है? साल 2022 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार 18 से 49 साल की 82 फीसदी शादीशुदा महिलाओं के साथ देश में उनके पति यौन हिंसा करते हैं। क्या यह जायज है या फिर आपराधिक दृष्टिकोण से मुक्त है? मानव अधिकारों के चश्मे से देखें, तो देश की सभी महिलाओं के ऊपर यौन हिंसा का स्थान नहीं होना चाहिए, चाहे वह मैरिटल रेप ही क्यों न हो।

आप का नजरीया

पर्यटन के अशांत पहिए

कुल्लू घाटी के जगतसुख में तकरार की दीवार खूंखार हो गई और पार्किंग के मसले पर एक की जान चली गई। पर्यटन के पहिए अशांत होते दिखाई दे रहे हैं। ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हिमाचल की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ जब डलहौजी व भागसूनाग की घटनाओं ने पर्यटन को बदनाम किया और इस बार जगतसुख में पार्किंग के झगड़े ने मौत का मंजर लिख दिया। जाहिर है हम पर्यटकों को बाजार में गिनते हुए यह भूल रहे हैं कि हर पर्यटक को लाने वाले पहिए को सुरक्षा की गारंटी देनी पड़ेगी। पाठकों को याद होगा कि हम समय-समय पर पांच करोड़ पर्यटकों के आंकड़े को छूने की वकालत को वाहनों की बढ़ती तादाद के साथ खतरनाक मोड़ पर देखते रहे हैं। पर्यटन, परिवहन और वाहनों की बढ़ती संख्या को सुरक्षित मानदंडों से जोडऩा होगा। हर तीन पर्यटकों के साथ अगर औसतन एक वाहन जुड़ रहा है, तो इसकी अपनी चुनौतियां हैं। अटल टनल गवाह है कि सुरंग पर्यटन ने बढ़ते वाहनों से सारे ट्रैफिक को कई-कई घंटे जाम या कछुआ चाल में फंसा दिया है। प्रदेश में पर्यटक वाहनों के अलावा स्थानीय लोगों द्वारा बढ़ते निजी वाहनों की तादाद का दबाव सडक़ पर बढ़ रहा है। भाई दूज के दिन हमारी परिवहन व्यवस्था के कई मकबरे उभर आए और सडक़ यात्रा की चक्की में समय, संसाधन और सुकून की बर्बादी के अलावा प्रदूषण में भी इजाफा हो गया। इसके साथ सडक़ों पर आवारगी व अनुशासनहीनता भी बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम की वजह कुछ वाहन चालकों के कारण भी चुनौतीपूर्ण बन रही है। यह व्यवस्था की आपाधापी भी मानी जा सकती है। अंततः सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाएगा कौन। हमीरपुर शहर में पुलिस ने खुद से वादा और समाज ने साथ दिया, तो वहां एक सुखद संस्कृति पैदा हो रही है, लेकिन बाकी शहरों में वाहन चालकों का तांडव सडक़ों पर खेला जा रहा है। यह दीगर है कि विभिन्न फोरलेन परियोजनाओं से वाहनों की गति बढ़ रही है, लेकिन मुख्य पर्यटक व प्रशासनिक शहरों के मार्ग सुस्त रफ्तार के गवाह बन गए हैं। फोरलेन से सीधे प्रमुख शहरों को टू-लेन से जोडऩे की जरूरत के अलावा प्रदेश में पर्यटक पार्किंग की सहूलियतें बढ़ानी होंगी। बाहरी राज्यों से आने वाले ड्राइवरों के लिए हिमाचल की परिस्थितियां भिन्न व जोखिमपूर्ण हैं। ऊपर से डेस्टिनेशन पार्किंग के लिए कोई प्रयास ही नहीं हुए, नतीजतन सडक़ों पर वाहनों का डेरा बढ़ रहा है। भविष्य में ट्रांसपोर्ट नगर, शहरों में महापार्किंग, पर्यटक वाहन पार्किंग व वोल्वो बसों की पार्किंग की दिशा में नीतिगत फैसले लेने होंगे, वरना पर्यटक हलचल में पार्किंग एक अपराध हो जाएगा। यही अपराध कुल्लू घाटी को अभिशप्त करने के उदाहरण सामने ले आता है। ऐसे में हिमाचल को अपनी सडक़ों की स्थिति और सडक़ों पर अपनी छवि सुधारनी पड़ेगी। यातायात प्रबंधन की दृष्टि से पुलिस पैट्रोलिंग व सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाना पड़ेगा।

उप्र के हरदोई में सड़क हादसा दस लोगों की मौत, पांच घायल

हरदोई (हिंस)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में ग्राम रोशनपुर के पास बुधवार को डीसीएम और ऑटो की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। जान गंवाने वालों में 05 महिलाएं, 02 बच्चियां, 01 बच्चा और 02 पुरुष हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि रोशनपुर गांव के पास सामने से आ रहे डीसीएम की ऑटो से टक्कर हो गई। इस हादसे में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, उसमें सवार सात सावारियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर बाद तीन घायलों ने बिलग्राम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल पांच अन्य लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। घटना की जानकारी पर जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी जिला मुख्यालय से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटना के बाद से डीसीएम चालक और हेल्पर फरार हो गए। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

अनुच्छेद 370 फिर से लागू होना एकता और अखंडता के लिए खतरनाक : अर्जुनराम

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से लागू होना देश की एकता और अखंडता को खतरा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ कानून में संशोधन किए जाने से मुस्लिम वर्ग को भी फायदा पहुंचेगा। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने अनिता चौधरी हत्याकांड पर कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच होगी और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में यह मामला है। केंद्रीय राज्यमंत्री मेघवाल बुधवार को जोधपुर प्रवास पर पहुंचे और एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब हुए। वे यहां से सीधे प्रदेश में हो रहे उपचुनाव कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। उन्होंने पत्रकारों के सवालों पर कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से लागू नहीं की जाएगी। इसके कारण देश की एकता और अखंडता को खतरा उत्पन्न हो गया था, जिसे हटाया जाना नितांत जरूरी हो गया था। उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र में वक्फ बिल को लेकर कहा कि बिल में संशोधन किया जाना जरूरी है, जिससे मुस्लिम समाज को भी फायदा होगा। इसमें संशोधन से विसंगतियां दूर होंगी और साथ ही उस पर बना गतिरोध भी समाप्त होगा।

उपचुनावों में भाजपा को मिलेगा विकास के नाम पर वोट : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में बुधवार को भाजपा नेताओं की बैठक ली। उन्होंने कहा कि हम दिखावे के बिना निरंतर जन कल्याण के कार्य करते हैं। प्रदेश में 10 माह पहले हमारी सरकार बनी थी, तब से अब तक सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास की गंगा बहाई है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी ने उसके राज में वहां की जनता को विकास से वंचित रखा था। कांग्रेस राज में तो सिर्फ माफियाओं और घोटालेबाजों ने लूट मचा रखी थी। अब जनता कांग्रेस पार्टी को वोट से वंचित रखकर सबक सिखाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 महीने के छोटे समय में विकास के ऐतिहासिक काम किए हैं, जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का हमारी सरकार पर विश्वास दृढ़ हुआ है। इसलिए विधानसभा उपचुनाव में इस बार कांग्रेस के जातिवाद के एजेण्डे पर भाजपा सरकार का विकास का एजेंडा भारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों में युवाओं को न्याय दिलाने के लिए एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए 190 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। हमने 90 हजार पदों पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त किया है, इससे प्रदेश के युवाओं में रोजगार पाने की उम्मीद की किरण जागी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही है, उन मुद्दों पर हमारी डबल इंजन सरकार समझौते कर तेजी से उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। इसलिए भाजपा को इन उपचुनावों में विकास के नाम पर वोट मिलेगा व ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह समर्पित होकर कार्य कर रही है। ये निवेश राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। बैठक में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, विधायक विक्रम जाखल, अंशुमन भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह शेखावत, भाजपा नेता रणवीर गुढ़ा, राजीव सिंह, कुबेर सिंह सहित भाजपा के नेता उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में अब हाईकोर्ट में 19 को सुनवाई

प्रयागराज (हिंस)। श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले की अगली सुनवाई 19 नवम्बर को होगी। अपरिहार्य कारणों से बुधवार को सुनवाई नहीं हो सकी। मंदिर पक्ष से जुड़े अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र मामले की सुनवाई के लिए नामित किए गए हैं। सिविल वादों में लम्बित कुछ अर्जियों सहित वाद विंदु तय किए जाने पर सुनवाई होनी है। इससे पहले न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं। जस्टिस जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद केस की सुनवाई के लिए चीफ जस्टिस के आदेश से न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की बेंच नामित की गई है।

भाई-भतीजावाद का अंत विकास में नहीं रहेगी कोई कमी : पवन खरखौदा

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा से विधायक बनने के बाद पवन खरखौदा ने बुधवार को हलके के आधा दर्जन से अधिक गांवों में धन्यवाद दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बरोणा, सिसाना, रोहणा, सिसाना-2, छिनौली, गोरड़, गढ़ी सिसाना और खरखौदा के लोगों का खुलकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब उनकी बारी है ग्रामीणों का ऋण उतारने की, जिसमें वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पवन खरखौदा ने कहा कि वह गांव और ग्रामीणों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और चौबीस घंटे क्षेत्रवासियों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। पवन खरखौदा ने कहा कि हलकावासियों को विकास को लेकर किसी चिंता की आवश्यकता नहीं है। क्षेत्र के उत्थान के लिए सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे और ग्रामीण क्षेत्रों का विकास शहरी तर्ज पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने भाजपा सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर भरोसा जताते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई है। विधायक ने बताया कि भाजपा सरकार लगातार ऐसी योजनाएं चला रही है, जिनका सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में भाई-भतीजावाद और खर्ची-पर्ची का अंत कर दिया है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश के युवा अब योग्यता के आधार पर नौकरियां पा रहे हैं। हाल ही में प्रदेश सरकार ने 24 हजार युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां देकर चुनाव के दौरान किए गए वायदे को पूरा किया है।

कनाडा में खालिस्तान समर्थक उपद्रवियों की ओर से किए गए हमले के खिलाफ जयपुर में विरोध-प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक उपद्रवियों की ओर से किए गए हमले के खिलाफ जयपुर जिला कलेक्ट्रेट पर बुधवार को जन समस्या निवारण मंच की ओर से प्रदर्शन किया गया। लोगों ने कनाडा में हुए हमले के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने प्रदर्शन के दौरान कनाडा की सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर चतुर्थ को ज्ञापन भी दिया गया। जन समस्या निवारण मंच के अध्यक्ष सूरज सोनी के नेतृत्व में लोग जिला कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए। सोनी ने बताया कि हाल ही में कनाडा सरकार के अघोषित समर्थन के चलते अप्रवासी भारतीयों और हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। दो दिन पहले खालिस्तानी उपद्रवियों ने हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया और बच्चों और महिलाओं को घायल कर दिया। इससे भारत और विश्व भर में मौजूद हिंदू समुदाय में आक्रोश व्याप्त हो गया है। हिंदुओं पर इस तरह से हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन के माध्यम से हम कनाडा सरकार को चेतावनी दे रहे हैं। विश्व के सामने हम कनाडा सरकार की पोल खोलना चाहते हैं। सोनी ने बताया कि जस्टिन ट्रूडो सरकार खालिस्तानियों के दबाव में उनकी कठपुतली बन चुकी है और लगातार भारत विरोधी अभियानों को संरक्षण दे रही है। सूरज सोनी ने मांग की कि जस्टिन ट्रूडो इस्तीफा दे। सोनी ने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एडीएम को ज्ञापन भी सौंपा। सोनी ने प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से समझते हुए शीघ्र उच्च स्तर पर हस्तक्षेप करें और कनाडा में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मंदिर पर हमला करने वालों को कड़ा जवाब दिया जाना चाहिए। दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष विवेक शर्मा भी वकील साथियों के साथ इस प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कनाडा में संगठित तौर पर हिंदुस्तान और हिंदुस्तान के गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने और हिंदुओं को प्रताड़ित करने का कार्य किया जा रहा है। वकील समुदाय इसकी निंदा करता है। कनाडा सरकार को होश में आना चाहिए। इस तरह के हमले को लेकर हिंदू कभी चुप नहीं बैठेगा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार के पुर्व अध्यक्ष एडवोकेट विवेक शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र भारद्वाज, हिंदूवाद नेता भारत शर्मा, एडवोकेट कुलभुषण गौड़, गजेन्द्र नोगिया, ललित तंवर, मुकेश मीणा, अर्जुन सारण, रमेश श्योरान, ललित अग्रवाल, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और अधिवक्ताओं ने खालिस्तान समर्थक उपद्रवियों द्वारा मंदिर पर किए कायराना हमले के खिलाफ निंदा करते हुए भारी रोष प्रकट किया गया।

हरियाणा की पारंपरिक कला को जीवित रखने का माध्यम है हरियाणवी उत्सव : कृष्ण बेदी

जींद (हिंस)। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को दो दिवसीय हरियाणा उत्सव का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण बेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय सीपीडीएच निदेशक प्रो. गीता सिंह, सीआरएसयू वीसी डा. रणपाल सिंह रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हरियाणवी उत्सव हरियाणा की पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और खानपान को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह लोकगीत, लोकनृत्य, और पारंपरिक त्योहारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाता है ताकि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ सकें। इस प्रकार के आयोजनों में लोग विभिन्न जाति, धर्म और पृष्ठभूमि से आते हैं। जिससे आपस में भाईचारा और समरसता को बढ़ावा मिलता है। एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में यह समाज में एकजुटता का संदेश देता है। उत्सवों में स्थानीय कलाकारों और कारीगरों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है। जिससे वे न केवल अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त होते हैं। निदेशक प्रो. गीता सिंह ने कहा कि हरियाणा उत्सव हरियाणा राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और विकास को मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उत्सव न केवल राज्य के लोगों को एकजुट करता है बल्कि राज्य की विविधताओं, ऐतिहासिक धरोहर, कला, संगीत और नृत्य को भी प्रदर्शित करता है। सीआरएसयू वीसी डा. रणपाल सिंह ने कहा कि हरियाणा उत्सव एक ऐसा आयोजन है, जो इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को पूरे देश और दुनिया के सामने लाने का काम करता है। इस उत्सव में लोककला, खाद्य संस्कृति, हस्तशिल्प और खेलों को प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाता है। यह आयोजन हरियाणा के लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है और युवाओं में इसे बनाए रखने के लिए जागरूकता फैलाता है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने संदेश दिया कि चलचित्रों के अत्यधिक प्रचलन से हरियाणवी गीत व सांग व संस्कृति फीके पढ़ने लगे हैं। जिनके रंगों की छटा बरकरार रखने के लिए हरियाणा उत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन जरूरी है। प्रो. एसके सिन्हा ने महाभारत के समय से ही हरियाणा का ऐतिहासिक महत्व रहा है।

लोक गायिका पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन पर शोक, दी श्रद्धांजलि

मीरजापुर (हिंस)। लोकगीत गायिका पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन पर बुधवार को नगर के लक्ष्मण प्रसाद की गली, वासलीगंज में साहित्यकारों ने शोकसभा कर श्रद्धांजलि दी। साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने शारदा सिन्हा के निधन को लोक जीवन की अपूरणीय क्षति बताया। गणेश गंभीर ने कहा कि छठ मईया के गीतों की अनन्य लोक गायिका शारदा सिन्हा छठ पर्व पर ही प्रयाण कर गई, यह दैवी कृपा ही है। लल्लू तिवारी ने कहा कि हिंदी, मगही, भोजपुरी और मैथिली की विश्व प्रसिद्ध गायिका निधन से सभी आहत हैं। अरविंद अवस्थी ने कहा कि शारदा सिन्हा ने फिल्मों में भी अपनी गायकी से देश का नाम रोशन किया। उनके गीत भविष्य में लंबे समय तक गुनगुनाते रहेंगे। केदारनाथ सविता ने कहा कि अपने गीतों से जनमानस को भावुक कर देने वाली गायिका को हमेशा याद किया जाएगा।

डाला छठ के दूसरे दिन खरना के बाद 36 घंटे का कठिन व्रत प्रारंभ, घरों में गूंज रहा छठगीत

वाराणसी (हिंस)। चार दिवसीय लोक उपासना के महापर्व डाला छठ में दूसरे दिन बुधवार को महिलाओं ने पूरे दिन व्रत रख छठ माता की आराधना की। भोर से इस व्रत की शुरुआत हुई। दिन भर निर्जला उपवास रखने के बाद व्रती महिलाओं ने परिजनों के साथ शाम को स्नान के बाद छठी मइया की पूजा विधि-विधान से की। इसके बाद छठी मइया को रसियाव, खीर, शुद्ध घी लगी रोटी, अरवा चावल, गुड़ और दूध मिश्रित बखीर, केला का भोग लगाया। इसके बाद इस भोग को स्वयं ग्रहण (खरना) करने के बाद परिजनों में प्रसाद स्वरूप बांटा। खरना के बाद व्रती महिलाओं ने घर और शुभचिंतक परिवार की सुहागिनों की मांग भर उन्हें सदा सुहागन रहने का आशीष दिया। इसके साथ ही व्रती महिलाओं का 36 घंटे का निराजल कठिन व्रत शुरू हो गया। व्रती महिलाएं गुरुवार शाम छठ मइया के गीत गाते हुए सिर पर पूजा की देउरी रख गाजे-बाजे के साथ सरोवर, नदी गंगा तट पर जाएंगी और समूह में छठ मइया की कथा सुन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर घर लौटेंगी। शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारण करेंगी। पर्व पर वेदी को सजाने का कार्य भी परिजनों ने पूरा कर लिया है। सामनेघाट से लेकर भैंसासुर घाट,बरेका सूर्य सरोवर तक वेदिकाएं बनाकर जगह घेर दिया है। गंगा और वरुणा तट पर पर जहां भी व्रती महिलाओं के परिजनों को जगह मिली, वहीं वेदी बनाया है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के समय भगवान भाष्कर को विशेष प्रकार का पकवान *ठेकुवा* और मौसमी फल चढ़ाया जाएगा। उधर,महापर्व पर जिले के शहरी और ग्रामीण अंचल में पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के गीत गूंज रहे हैं। हालांकि आज भी छठ के पारम्परिक गीत *केरवा के पात पर, उगह्य हो सूरज देव भईल अरघ के बेर*, केरवा जे फरले घउद में ता पर सुग्गा मंडराए, मरबऊ रे सुगवा धनुख से सुगा गिरे मुरझाए,हम तोहसे पुछिले बरतिया करेलू छठ बरतिया से केकरा लागी आदि गीत व्रती महिलाओं और उनके परिजनों में खासे लोकप्रिय हैं।

छठ पूजा प्रकृति, जल और सूर्य के बीच गहरे संबंध को प्रकट करती है : स्वामी कुंदनानंद महाराज

सहरसा (हिंस)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक व संचालक सर्व श्री आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी कुन्दनानन्द ने कहा की कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी को मनाया जाने वाला लोक आस्था का महापर्व बिहार की सामाजिक, सांस्कृतिक सोहार्द का प्रतीक है। यह एक पर्व ही नहीं बल्कि जीवनशैली है। संस्कृति व संस्कार का पुनर्जागरण है। प्रकृति के साथ संबंध स्थापित करती है तथा पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक समरसता को बल प्रदान करती है। छठ व्रत का अध्यात्मिक महत्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार व समाज में सामूहिकता को बढ़ाना है। छठ पूजा वास्तव में सूर्य की उपासना है। हमारे सनातन धर्म में सूर्य को संसार की आत्मा कहा है सूर्यऽ आत्मा जगतस्तस्थुषश्च। इन्हें जीवन का स्रोत और सभी प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा का प्रदाता कहा गया है। सूर्य की किरणों में रोगों के समन की शक्ति है तथा मानसिक व शारीरिक स्वस्थ को बढ़ाने में सहायक होती है। सूर्य उपासना से कुष्ट रोग का समन हो जाने तथा सोवरण काया हो जाने की बात घर घर में प्रचलित है। सूर्य देव को नवग्रहों का राजा कहा गया है और पंचदेव में सूर्य देव का विशेष स्थान होता है। सूर्य देव को तेज और सकारात्मक शक्ति का देवता भी कहा जाता है। आदित्यो ह वै प्राणों ऋषि पिप्पलाद कहते है सूर्य ही जगत का प्राण है। अत: छठ पूजा में व्रती सूर्य का साथ उनके पत्नी प्रत्यूषा संध्या की देवी तथा उषा भोर की देवी की पूजा की जाती है। सूर्य उपासना के पीछे एक कारण यह भी है की भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि, फसल, वर्षा, और मौसम में परिवर्तन सूर्य की किरणों और उनके प्रभाव पर निर्भर करते हैं। यह पर्व न केवल सूर्य की आराधना का माध्यम है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति भी जागरूकता फैलाने का एक सांस्कृतिक तरीका है। यह पूजा प्रकृति, विशेष रूप से जल और सूर्य के बीच एक गहरे संबंध को प्रकट करती है। इस पर्व के माध्यम से नदियों और तालाबों की पवित्रता और उनके संरक्षण की आवश्यकता को समझाया जाता है। जो कि जल स्रोतों के प्रति आदर और सम्मान दिखाने का एक प्रतीक है। जल को जीवनदायिनी कहा गया है जल की प्रार्थना करते हुए ऋषि कहते है की हे माता! जैसे माताएं सर्वाधिक कल्याणदायी रस से बच्चों को पोषती है वैसे ही आप हम सब को सर्वाधिक कल्याणदायी रस पोषण हेतु सेवन कराने की कृपा करें।

No.UDB/Tender/01/2022-23/ *Date 05/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non- refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F- 2 form are invited form the registered contractors of Class–II and Class–I (A, B & C) category of Assam PWD (Road & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD & various schemes under BTR for the year 2023-24 during 2024-25 & other financial years as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 12.00 Noon on 29/11/2024 and will be opened on the same date & place at 2.00 P.M.

Sl. No.	Name of work	Tender Amount (In Lakhs)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Const of community toilet at Pakribari Baptist Church under 15ASFC during 2024-25	11.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
2	Const of road at Thana Udalguri near Boxing Arena PWD Road to river site including 1 nos HPC under 15ASFC for the year 2023-24	15.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
3	Const of community toilet at Chandana Shiva Mandir under 15 ASFC	10,47,960.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
4	Const of drinking water project with overhead Sembrabari village under 6ASFC	19.09	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
5	Const of road E/F & S/G from PWD road to Ambagaon Bihari basti	11.88	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
6	Const of community hall at Gandaholi village	15.84	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order

Detailed N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 06/11/2024 to 29/11/2024 in the office of the undersigned on payment.

Sd/-
Block Development Officer,
Udalguri Dev. Block, Udalguri

IPR(BTC)/C/2024-25/829

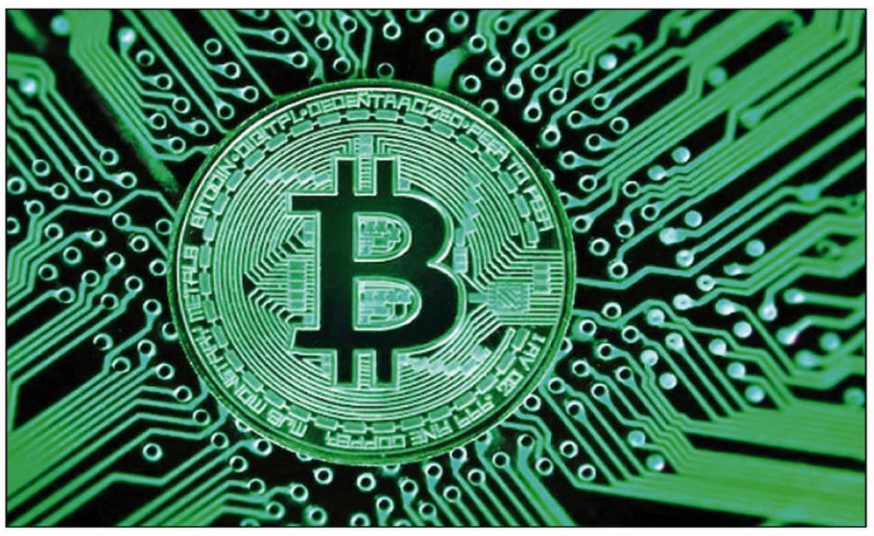

क्रिप्टो करेंसी मार्केट के लिए डोनाल्ड ट्रंप बन रहे हैं ट्रंप कार्ड, चुनाव के रुझान से रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजे व रुझान आने लगे हैं। इनमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुमत के करीब पहुंचते नजर आ रहे हैं। चुनावी रेस में ट्रंप के आगे निकलने के कारण क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी तेज हलचल नजर आ रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन उछल कर 75 हजार डॉलर के स्तर को भी पार कर गई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे तक ये क्रिप्टो करेंसी 75,011.06 डॉलर के सर्वोच्च स्तर को टच कर चुकी है। इसके पहले इसी साल 14 मार्च को बिटकॉइन ने 73,797.68 डॉलर के स्तर पर पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन अमेरिका में काउंटिंग के रुझानों ने इस क्रिप्टो करेंसी में नई जान फूंक दी है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के ऑपरेशन हेड रवनीत खन्ना का कहना है कि अमेरिका में हो रहे चुनाव से क्रिप्टो करेंसी मार्केट पर काफी असर पड़ा है। जो बाइडेन और कमला हैरिस की पॉलिसी शुरू से ही क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ रही है, जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में न केवल क्रिप्टो करेंसी की महत्ता को स्वीकार किया था, बल्कि इसे वैकल्पिक मुद्रा के रूप में मान्यता देने की बात का समर्थन भी किया था। यही कारण है कि अगर अमेरिका के चुनाव परिणाम में डोनाल्ड ट्रंप सरकार बनाने की स्थिति में आ जाते हैं, तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट, खासकर बिटकॉइन में मजबूती का नया रिकॉर्ड बन सकता है। वहीं, अगर अंतिम समय में किसी उलटफेर की वजह से कमला हैरिस जीतती हैं, तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट का सेंटीमेंट भी निगेटिव हो सकता है। क्रिप्टो करेंसी मार्केट के भविष्य को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव नतीजे काफी अहम माने जा रहे हैं। कमला हैरिस के पहले के कुछ बयानों की वजह से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर सत्ता में कमला हैरिस आईं तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्माण हो सकता है। दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप को क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए पहले से ही पॉजिटिव माना जाता है। इस साल की शुरुआत में जब डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की बात कही थी, तब भी उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिहाज से क्रिप्टो करेंसी के चलन को जरूरी बताया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी चुनाव रुझानों से शेयर बाजार में उत्साह, सेंसेक्स व निफ्टी में जोरदार तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार कुछ मिनट के लिए लाल निशान में भी गिरा, लेकिन इसके बाद अमेरिकी चुनाव के ट्रेंड से उत्साहित विदेशी निवेशकों ने खरीदारी शुरू कर दी, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली भी होती रही। इसके बावजूद शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर 2.89 प्रतिशत से लेकर 2.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा स्टील, एचडीएफसी लाइफ और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.87 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,963 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 6 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स 295.19 अंक की मजबूती के साथ 79,771.82 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से पहले 10 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 79,459.12 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 600 अंक से ज्यादा उछलकर 80 हजार अंक के स्तर को पार करके 80,115.34 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में इसकी चाल में मामूली गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10: 15 बजे सेंसेक्स 537.53 अंक की बढ़त के साथ 80,014.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 95.45 अंक उछल कर 24,308.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में बढ़कर 28,32,944 इकाई हुई: फाडा

मुंबई। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 28,32,944 इकाई हो गई। दोपहिया तथा यात्री वाहनों सहित सभी खंडों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। उद्योग संगठन फाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अक्टूबर 2023 में खुदरा बिक्री 21,43,929 इकाई रही थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वर्ष अक्टूबर में मजबूत वृद्धि की मुख्य वजह मजबूत ग्रामीण मांग रही। खासकर दोपहिया तथा यात्री वाहनों की बिक्री में तेजी और रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि से समर्थन मिला। यात्री वाहनों की बिक्री 32.38 प्रतिशत बढ़कर 4,83,159 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2023 में 3,64,991 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 36.35 प्रतिशत बढ़कर 20,65,095 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में 15,14,634 इकाई थी। अक्टूबर 2024 में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11.45 प्रतिशत बढ़कर 1,22,846 हो गई। फाडा के अनुसार अक्टूबर में ट्रैक्टर की बिक्री 3.08 प्रतिशत बढ़कर 64,433 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 62,542 इकाई थी। उद्योग संगठन के अनुसार अक्टूबर में प्रमुख त्यौहारों के एक साथ आने से उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आकर्षक त्यौहारी ऑफर, नए मॉडल पेश होने और बेहतर उपलब्धता से दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत और मासिक आधार पर 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, ग्रामीण मांग, अनुकूल मानसून और अच्छी फसल की उम्मीदों ने भी वृद्धि में योगदान दिया। वहीं यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और मासिक आधार पर 75 प्रतिशत बढ़ी। यह त्योहारी मांग, बेहतरीन ऑफर और नए मॉडल पेश होने से प्रेरित रही। फाडा समग्र मोटर वाहन उद्योग के निकट भविष्य की वृद्धि को लेकर आशावादी है, खासकर आगामी शादियों को देखते हुए।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला स्विगी का आईपीओ, एंकर इनवेस्टर्स से मिले 5,085 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी का 11,327.43 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस आईपीओ में 8 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के पहले कल 5 नवंबर को स्विगी का एंकर बुक ओपन हुआ था, जिसमें कंपनी ने 151 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,085.02 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटा ली है।

स्विगी का आईपीओ इस साल का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले हुंडई मोटर ने 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लाकर घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्विगी के आईपीओ की लॉन्चिंग के साथ ही ग्रे मार्केट में भी इसका सौदा शुरू हो गया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ के

ग्रे मार्केट में स्विगी के आईपीओ को फीका रिस्पॉन्स

12 रुपये प्रीमियम पर हो रही है ग्रे मार्केट में ट्रेडिंग

अपर प्राइस बैंड 390 रुपये पर 12 रुपये यानी 3.08 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ इसकी बोली लगाई जा रही है।

इसके पहले कल स्विगी का एंकर बुक ओपन हुआ था, जिसके जरिए कंपनी ने 151 एंकर इन्वेस्टर्स से 50,85,02,32,290 रुपये जुटा लिए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स को कुल 13,03,85,211 शेयर 390 रुपये के भाव पर जारी किए गए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स को जारी किए गए शेयरों में से 40.65 प्रतिशत शेयर 19 डोमेस्टिक म्युचुअल फंड्स की 69 स्कीमों के लिए जारी किए गए हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने के बाद निवेशक 8 नवंबर तक इस आईपीओ में आवेदन कर सकते हैं। 11,327.43 करोड़ के इस आईपीओ के लिए 371 से 390 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। इस आईपीओ में 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व किया गया है, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए और 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। इस आईपीओ में कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 25 रुपये का डिस्काउंट ऑफर कर रही है। 11 नवंबर को कंपनी के शेयर निवेशकों को अलॉट कर दिए जाएंगे, जबकि 13 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,50,87,863 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बिक्री की जाएगी। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार नए शेयर की बिक्री से जुटाए जाने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी स्कूट्सी का कर्ज कम करने, अपने डार्क स्टोर नेटवर्क का विस्तार करने, ब्रांड मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन करने तथा आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। वहीं ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाए जाने वाले पैसे शेयर बेचने वाले पुराने शेयर होल्डर्स को मिलेंगे।

एसीएमई सोलर का आईपीओ खुला, निवेशक 8 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली

अक्षय ऊर्जा कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 06 नवंबर को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 8 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 13 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 51 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 51 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,900 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी का आईपीओ 2,395 करोड़ रुपये के नए शेयरों के निर्गम और एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस के द्वारा 505 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। गुरुग्राम स्थित कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 1,795 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपने कर्ज के भुगतान के लिए करेगी तथा इसका एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाएगी।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड भारत की एक अक्षय ऊर्जा कंपनी है, जिसके पास सौर, पवन, हाइब्रिड और फर्म और डिस्पैचेबल अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है।

इस कंपनी की स्थापना 2015 में एसीएमई समूह के नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय को समेकित करने और भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए की गई थी। इसने भारत में एक एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी बनने के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं से अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाई और विस्तार किया है।

18,000 फर्जी कंपनियां की पकड़ी गई टैक्स चोरी

करीब 25,000 करोड़ रुपए की कर चोरी में शामिल

मुंबई

जीएसटी के तहत पंजीकृत करीब 18,000 फर्जी कंपनियों का पता चला है, जो करीब 25,000 करोड़ रुपए की कर चोरी में शामिल हैं। फर्जी कंपनियों के खिलाफ हाल ही में संपन्न राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिकारियों ने 73,000 कंपनियों की पहचान की थी, जिनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे बिना किसी वास्तविक माल की बिक्री के केवल इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाने के लिए स्थापित की गई थीं और इस तरह ये कंपनियां सरकारी खजाने को चूना लगा रही थीं। अधिकारी ने कहा कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ दूसरे राष्ट्रव्यापी अभियान में हमने सत्यापन के लिए लगभग 73,000 जीएसटीआईएन की पहचान की थी। इनमें से लगभग 18,000 अस्तित्वहीन पाए गए। ये फर्जी कंपनियां लगभग 24,550 करोड़ रुपए

की कर चोरी में शामिल थीं। विशेष अभियान के दौरान कंपनियों द्वारा लगभग 70 करोड़ रुपए का स्वैच्छिक जीएसटी भुगतान किया गया। सरकार फर्जी जीएसटी पंजीकरण की जांच के लिए लक्षित कार्रवाई कर रही है और अधिक से अधिक भौतिक सत्यापन हो रहा है। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ दूसरा राष्ट्रव्यापी अभियान 16 अगस्त से अक्टूबर के अंत तक चला। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पिछले साल 16 मई से 15 जुलाई तक चले पहले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत जीएसटी पंजीकरण वाली 21,791 इकाइयों का अस्तित्व नहीं पाया गया था।

एप्पल को पछाड़ कर फिर से दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी एनवीडिया

नई दिल्ली

एनवीडिया एपल को पछाड़कर दूसरी बार दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। एनवीडिया ने बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के आधार पर एप्पल को पीछे छोड़ दिया है। कारोबार के दौरान मंगलवार को एनवीडिया का शेयर करीब 3 फीसदी की उछाल के साथ 3.43 ट्रिलियन डॉलर पर बंद हुआ, जो एप्पल के 3.38 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप से ज्यादा है। दूसरी ओर माइक्रोसॉफ्ट 3.1 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे पायदान पर रही है।

एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग के नेतृत्व में कंपनी ने पहली बार जून में एप्पल को पीछे छोड़ा था, लेकिन

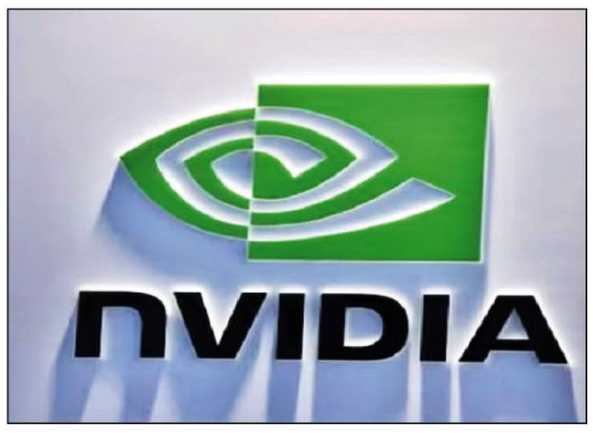

तब ये सिर्फ एक दिन के लिए था। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनने के मामले में ग्राफिक्स चिप निर्माता एनवीडिया ने मार्केट वैल्यू के आधार पर एप्पल को पीछे छोड़ा है। एनवीडिया ने 28 जुलाई को समाप्त दूसरी तिमाही में 30 अरब डॉलर की आय दर्ज की, जो पिछली तिमाही से 15 फीसदी और पिछले साल से 122 फीसदी अधिक है।

कंपनी के सीईओ जेन्सन हुआंग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनकी हॉपर चिप्स की मांग बनी हुई है और आगामी ब्लैकवेल चिप्स को लेकर भी काफी उत्साह है। डेटा सेंटर में एआई और तेज कंप्यूटिंग तकनीक के लिए बड़े स्तर पर अपग्रेड हो रहे हैं, जिसके चलते कंपनी की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में वर्ष 1991 में 3डी गेम खेलने के लिए चिप्स बनाने के लिए स्थापित एनवीडिया ने हाल के वर्षों में एक बहुत ही अलग कारण से अपनी पहचान बनाई है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान राष्ट्रपति चुनाव के बीच वॉल स्ट्रीट में उत्साह के साथ कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की गहमा-गहमी के बीच वॉल स्ट्रीट में लगातार पॉजिटिव माहौल बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,782.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 258.64 अंक यानी 1.42 प्रतिशत उछल कर 18,438.62 अंक के स्तर

पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 528.29 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,750.57 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर मजबूती बनी रही। हालांकि कारोबार के अंत में बिकवाली होने की वजह से यूरोपीय बाजार के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,172.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,407.15 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 108.42 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,256.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 475.71 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 20,531.26 अंक तक गिर गया है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.15 प्रतिशत टूट कर 2,547.33 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,479.88 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 7,488.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 160.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,430 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 250.91 अंक यानी 1.09 प्रतिशत उछल कर 23,357.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 983.54 अंक यानी 2.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,458.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,583.83 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,392.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आईपीएल 2025 मेगा-नीलामी के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले इतालवी क्रिकेटर बने थॉमस ड्रेका

नई दिल्ली

इटली के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए देश से अपना नाम पंजीकृत कराने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए हैं, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाली है।

ड्रेका ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ ऑलराउंडर की श्रेणी में अपना नाम दर्ज कराया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी आगामी मेगा नीलामी में तेज गेंदबाज को खरीदने के लिए अपना उत्साह दिखाती है या नहीं। इतालवी तेज गेंदबाज ने इस साल जून में लक्जमबर्ग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 के आंकड़े दर्ज किए थे। उनकी टीम ने यह मैच 77 रनों से जीत लिया। उन्होंने अब तक खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए चार मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8 विकेट चटकाए हैं।

इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में ग्लोबल टी20 कनाडा 2024 में ब्रैम्पटन वॉल्व्स के लिए प्रतिस्पर्धा की और अपने असाधारण प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। ड्रेका ने छह मैचों में कुल 11 विकेट लेकर टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उनका औसत 10.63 और इकॉनमी रेट 6.88 रहा।

उन्होंने सरे के खिलाफ चार ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लेकर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम को 198 रनों का बचाव करने में मदद मिली, जहां उनकी टीम ने 59 रनों से जीत हासिल की। उन्होंने मिसिसॉगा और सरे के खिलाफ क्रमशः 3/10 और 3/30 के आंकड़े भी दर्ज किए, जिससे उनकी टीम को अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली। ब्रैम्पटन प्रतियोगिता के दूसरे क्वालीफायर में टोरंटो नेशनल्स से पांच विकेट से हारकर बाहर हो गया था।

आईपीएल 2025 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी के लिए पंजीकरण आधिकारिक तौर पर बंद हो गया है, जिसमें कुल 1,574 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

इसमें 1,165 भारतीय खिलाड़ी और 409 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं, जो दुनिया की प्रमुख टी20 लीग में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं : यूपी योद्धा सहायक कोच उपेंद्र मलिक

हैदराबाद। हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के रोमांचक मैच में यूपी योद्धा को जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद, यूपी योद्धा ने पूरे मैच में शानदार डिफेंसिव प्रदर्शन किया। जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 की करीबी हार पर यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा कि टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। पीकेएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उपेंद्र मलिक के हवाले से कहा गया, टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मोड़ सुमित और हितेश के असाधारण प्रदर्शन के कारण आया, जिन्होंने डिफेंस में उल्लेखनीय समन्वय दिखाया। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षणों में कुछ छोटी डिफेंसिव गलतियों ने मैच की गति को बदल दिया। मैच के मुख्य आकर्षणों में जयपुर पिंक पैंथर्स के अर्जुन को आउट करने के लिए सुमित द्वारा किया गया शानदार सुपर टैकल शामिल था, जबकि भरत हुड्डा ने चार रेड पॉइंट और एक टैकल पॉइंट के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पहले हाफ में यूपी योद्धा ने 17-15 से बढ़त बनाई, जिसमें अटैक में गगन गौड़ा और डिफेंस में आशु सिंह का मजबूत साथ था। डिफेंडर सुमित ने टीम के प्रदर्शन पर कहा, कुल मिलाकर, हमने अच्छा खेला, लेकिन महत्वपूर्ण समय पर कुछ गलतियों ने निश्चित रूप से प्रभाव डाला। हमें अपने दृष्टिकोण को बेहतर बनाने की आवश्यकता है, और हम अगले मैच के लिए पहले से ही सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम मजबूत वापसी करने की कोशिश करेंगे। अपनी रक्षात्मक रणनीति में, योद्धा जयपुर के खतरनाक रेडर अर्जुन को रोकने में उल्लेखनीय रूप से प्रभावी रहे, जिनके रेड ने पिछले मुकाबलों में अक्सर समस्याएँ पैदा की हैं। मलिक ने बताया, हमने विशेष रूप से अर्जुन पर ध्यान केंद्रित किया, और हमारी रणनीति अच्छी तरह से काम आई। पिछले खेलों की तुलना में वह कम खतरनाक था, और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बोनस अंकों पर निर्भर रहना पड़ा।

फातोर्डा में होगी गोवा और पंजाब एफसी की आक्रामक भिड़ंत

गोवा। बेहतरीन फॉर्म में चल रही दो टीमें एफसी गोवा और पंजाब एफसी बुधवार शाम फातोर्डा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। एफसी गोवा ने बेंगलुरू एफसी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ चार घरेलू मैचों में जीत से अपनी दूरी को समाप्त किया। लिहाजा, गौर्स इस मैच में नए आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। वहीं, पंजाब एफसी भी जबर्दस्त फॉर्म में है, वो पांच मैचों में चार जीत और एक हार से 12 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस दौरान उसे एकमात्र हार 18 अक्टूबर 2024 को बेंगलुरू एफसी से मिली थी। गौर्स ने आईएसएल 2024-25 में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 12 गोल किए हैं, जो इस अवधि में सबसे ज्यादा हैं। उनमें से आर्मंडो सादिकु (6) और बोरा हेरारा (4) ने 10 गोल दागे हैं। गौर्स ने पिछले मैच में 16 हाई टर्नओवर (विपक्ष के गोल के 40 मीटर के भीतर गेंद को वापस जीतना) अपने नाम किए, जो सभी टीम में सबसे ज्यादा है। वहीं, पंजाब एफसी ने पिछले पांच मुकाबलों में चार जीत हासिल करके शानदार शुरुआत की है। इस दौरान बेंगलुरू एफसी के साथ उसका एकमात्र मैच था, जिसमें वो गोल करने में विफल रही थी। पंजाब ने प्रति मैच तीन बड़े मौके बनाए हैं, जो सभी टीम में सबसे अधिक है। इस सीजन में उनके नौ गोलों में से आठ उपरोक्त मौकों से आए हैं। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने कहा कि वह खेल के परिणाम की परवाह किए बिना सकारात्मक बने रहना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, बतौर कोच मेरा अनुभव है कि यदि टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो आप बहुत नकारात्मक या निराशावादी नहीं हो सकते। बेशक, आप क्रोधित हो सकते हैं, लेकिन मुझे शीर्ष टीमों और निचली टीमों (तालिका में) के बीच बहुत अंतर नहीं दिखता है। पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस एफसी गोवा के गेमप्ले के साथ तालमेल बिठाने को लेकर अधिक चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी मैच में गौर्स को खेल शैली में बदलाव करने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कहा, हम उनके (एफसी गोवा की खेल शैली) के साथ तालमेल नहीं बिठाएंगे। हम अपने हिसाब से खेलने के लिए दबाव डालेंगे। हमें केवल इस बात की परवाह है कि दूसरी टीमें हमारे खिलाफ कैसे खेलती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कप्तान बने इंगलिस, पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में भी करेंगे कप्तानी

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंगलिस को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए अंतरिम टी20 कप्तान बनाया गया है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड की अनुपस्थिति में, वह पर्थ में तीसरे और अंतिम वनडे में भी कप्तानी करेंगे, जिसमें पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ और जोश हेज़लवुड सभी आराम करेंगे।

कमिंस, स्मिथ, हेज़लवुड, मिशेल स्टार्क और मार्नस लाबुशेन बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए तीसरा मैच नहीं खेलेंगे, जबकि इंगलिस कप्तान के रूप में बागडोर संभालेंगे।

जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और जोश फिलिप सभी को पर्थ वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है, जबकि लांस मॉरिस समूह के साथ बने हुए हैं, जो पहले वनडे के लिए हेज़लवुड के कवर के रूप में मेलबर्न में थे, जब वह न्यू साउथ वेल्स के लिए शेफ़ील्ड शील्ड गेम खेल रहे थे। इसका मतलब है कि हेज़लवुड एडिलेड में श्रृंखला में सिर्फ एक वनडे खेलेंगे।

29 वर्षीय इंगलिस ऑस्ट्रेलिया के 14वें टी20आई कप्तान और 30वें वनडे कप्तान बनेंगे। चयनकर्ताओं की सिफारिश के बाद बोर्ड ने उन्हें मंजूरी दे दी है। मार्श, स्थायी टी20आई कप्तान और हेड, जिन्होंने सितंबर में इंग्लैंड में मार्श की अनुपस्थिति में एक खेल में टीम का नेतृत्व किया था, दोनों ही पितृत्व अवकाश और टेस्ट की तैयारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस और टेस्ट उप-कप्तान स्मिथ भी टेस्ट समर की तैयारी के लिए टी20 श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जोश वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों के अभिन्न सदस्य हैं और मैदान के अंदर तथा बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। उन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया ए [प्रधानमंत्री एकादश] का नेतृत्व किया है और इस भूमिका में मजबूत सामरिक कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण लाएंगे। जोश को मैट शॉर्ट और एडम ज़म्पा जैसे खिलाड़ियों के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से बहुत अच्छा समर्थन मिलेगा।

इंगलिस पिछले सीजन में पर्थ स्कॉर्चर्स के उप-कप्तान थे और उनके नेतृत्व समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। जब एश्टन टर्नर को सीजन खत्म करने वाली चोट लगी थी, तब उन्हें कप्तानी संभालने के लिए दृढ़ता से विचार किया गया था, लेकिन इसके बजाय आरोन हार्डी को चुना गया, केवल इसलिए क्योंकि समय की कमी के कारण अपने युवा गेंदबाजों में से किसी को विकेटकीपर-कप्तान नहीं रखना चाहते थे।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम : पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लैबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, जोश फिलिप, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम : सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस (कप्तान), स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत 9 नवंबर को राजधानी दिल्ली में करेगा रन फॉर इनक्लूशन का आयोजन

नई दिल्ली

स्पेशल ओलंपिक्स भारत (एसओबी), जो बौद्धिक और विकासात्मक अक्षमताओं (आईडीडी) वाले एथलीटों के लिए खेल को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय खेल महासंघ है, 9 नवंबर 2024 को एक अनूठी दौड़, रन फॉर इनक्लूशन आयोजित करेगा। यह दौड़ नई दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 से 23 नवंबर 2024 के बीच आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता की तैयारियों का हिस्सा होगी।

यह भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी दौड़ है, जिसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से समावेशन की ताकत का जश्न मनाना है, और यह चाणक्यपुरी स्थित सेंट्रल सिविल सर्विस ग्राउंड, नेहरू पार्क से शुरू होगी। दिल्ली एनसीआर से लगभग 10,000 प्रतिभागियों के इस 3 किलोमीटर दौड़ में शामिल होने की उम्मीद है, जो विशेष एथलीटों के समर्थन में भाग लेंगे। स्पेशल ओलंपिक्स भारत का लक्ष्य 100 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 1000 विशेष एथलीटों (बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्ति) का स्वागत करना है, जो इस दौड़ में एकजुटता से हिस्सा लेंगे।

दौड़ का मुख्य उद्देश्य, ईच वन, रीच वन (प्रत्येक एक, पहुँच एक) समावेशिता के महत्व पर जोर देगा और प्रत्येक प्रतिभागी को न केवल दौड़ में भाग लेने के लिए बल्कि विशेष एथलीटों तक पहुँचने के लिए भी प्रेरित करेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री, हर्ष मल्होत्रा (कारपोरेट मामलों और सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय) इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और इस पहल का पूरा समर्थन देंगे।

इसके अतिरिक्त, पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सदस्य कमलजीत शेरावत, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज और उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी भी इस अवसर पर अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएंगे। एसओ भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, रन फॉर इंक्लूशन के माध्यम से, हम न केवल खेल की भावना का बल्कि समावेशन की अडिग शक्ति का जश्न मनाते हैं।

बीबीएल : सिडनी थंडर के कप्तान नियुक्त हुए डेविड वार्नर

सिडनी

डेविड वॉर्नर पर कप्तानी का प्रतिबंध हटाए जाने के बाद उन्हें बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी संस्करण के लिए सिडनी थंडर का कप्तान घोषित किया गया है। बाएं हाथ के इस अनुभवी खिलाड़ी ने क्रिस ग्रीन की जगह ली है, हालांकि ग्रीन एक खिलाड़ी के रूप में टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

वार्नर को कप्तानी के लिए पात्र हुए दो सप्ताह से भी कम समय हुआ है, तीन सदस्यीय स्वतंत्र पैनल ने संतुष्टि व्यक्त की है कि उन्होंने प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए सभी मानदंडों को पूरा किया है।

वार्नर ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सीजन में फिर से थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरू से ही टीम का हिस्सा था, और अब अपने नाम के आगे सी के साथ वापस आना शानदार लगता है। मैं आगे बढ़कर नेतृत्व करने और आने वाली युवा प्रतिभाओं के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैदान के बाहर नेतृत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मैं ऐसा माहौल बनाना चाहता हूँ जहाँ हम सभी खेल से ब्रेक ले सकें, एक-दूसरे से जुड़ सकें और आनंद ले सकें। चाहे टीम के साथ खाना हो, गोल्फ़ कोर्स पर हो या पश्चिमी सिडनी में अपने प्रशंसकों से मिलना हो, यह सब सौहार्द बनाने और ज़मीन से जुड़े रहने के बारे में है। मैं ग्रीनी (क्रिस ग्रीन) के नेतृत्व करने के तरीके की सराहना करना चाहता हूँ। वह शानदार नेतृत्व गुणों वाला एक असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। जेसन संघा भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। मैंने दोनों से बहुत अच्छी जानकारी हासिल की है और मुझे पता है कि इस सीजन में मैं उन पर भरोसा कर सकता हूं।। थंडर को उम्मीद है कि वार्नर की कप्तानी उन्हें सफलता की ओर प्रेरित करेगी, क्योंकि पिछले सीजन में वे सबसे निचले पायदान पर रहे थे। बीबीएल 14 की शुरुआत 15 दिसंबर से होगी। थंडर का पहला मैच 17 दिसंबर को कैनबरा में एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होगा। सिडनी थंडर की टीम: डेविड वार्नर (कप्तान), वेस एगर, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओलिवर डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिलकेस, क्रिस ग्रीन, लियाम हैचर, सैम कोंस्टास, निक मैडिनसन, नाथन मैकएंड्रू, शेरफेन रदरफोर्ड, विलियम साल्ज़मैन, डैनियल सैम्स, जेसन संघा, तनवीर संघा।

रग्बी विश्व कप क्वालीफायर 2027,नामीबिया ने स्थानीय कोचिंग टीम नियुक्त की

विंडहोक

नामीबिया के रग्बी यूनियन (एनआरयू) ने मंगलवार को 2025 में होने वाले रग्बी विश्व कप क्वालीफायर अभियान में टीम का नेतृत्व करने के लिए नामीबियाई कोचिंग टीम नियुक्त की। उल्लेखनीय नियुक्ति जैक्स बर्गर की है, जो एक सेवानिवृत्त नामीबियाई रग्बी यूनियन लूज फॉरवर्ड और पूर्व कप्तान हैं, जिन्हें दक्षिण अफ्रीका के एलिस्टर कोएत्ज़ी की जगह रग्बी का निदेशक नियुक्त किया गया है। एनआरयू ने मीडिया ब्रीफ और अपने सोशल मीडिया पेज पर, पूर्ण कोचिंग टीम की घोषणा की, जिसमें एक अन्य साथी और पूर्व नामीबियाई रग्बी खिलाड़ी, क्रिसेंडर बोथा मुख्य कोच के रूप में शामिल हैं, जैको एंगेल्स, रोहन किट्सहॉफ और डेविड फिलेंडर सहायक कोच और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच, सर्जियो डे ला हार्प हैं। इस साल, नामीबिया की टीम को रग्बी अफ्रीका कप के सेमीफाइनल में अंतिम विजेता जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा था। युगांडा में आयोजित होने वाला 2025 रग्बी अफ्रीका कप, विश्व रग्बी द्वारा आयोजित 2027 पुरुष रग्बी विश्व कप के लिए दो साल का क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है। मौजूदा रग्बी अफ्रीका कप चैंपियन जिम्बाब्वे ने जुलाई में आयोजित 2024 टूर्नामेंट के फाइनल मैच में अल्जीरिया के खिलाफ जीत हासिल की। 2025 टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे, अल्जीरिया, नामीबिया, केन्या, सेनेगल, कोटे डी आइवर शामिल होंगे। विश्व रग्बी के अनुसार, पुरुषों का रग्बी विश्व कप 2027 ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाएगा और इसमें 24 टीमें भाग लेंगी।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग : पंत और मिशेल की शीर्ष 10 में वापसी

नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल मुंबई में खेले गए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

पंत, जिन्होंने पहली पारी में 60 और दूसरी पारी में 64 रनों की पारी खेली थी, पांच पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जुलाई 2022 में हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से एक कम है। मिशेल, जो इस साल सितंबर में तीसरे स्थान पर थे, तालिका में नीचे खिसकने से पहले, 82 और 21 के स्कोर के बाद आठ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग के 71 और 51 के स्कोर ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 550 रेटिंग अंकों के साथ 29 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, जबकि ग्लेन फिलिप्स 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

शुभमन गिल के पहली पारी के 90 रन ने उन्हें 20वें से 16वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, लेकिन भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर खिसक गए हैं और पूर्व कप्तान विराट कोहली दिसंबर 2014 के बाद पहली बार दुनिया के शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची से बाहर हो गए हैं।

पुरुषों की नवीनतम साप्ताहिक रैंकिंग अपडेट में चटगाँव में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के तीन खिलाड़ियों ने एक ही पारी में पहला शतक बनाया, टेस्ट इतिहास में ऐसा केवल दूसरा मामला है। शतक लगाने वाले सभी बल्लेबाजों - टोनी डी ज़ोरज़ी (32 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर), ट्रिस्टन स्टब्स (27 पायदान ऊपर 71वें स्थान पर) और वियान मुल्डर (19 पायदान ऊपर 75वें स्थान पर) को रैंकिंग में फायदा मिला है।

गेंदबाजी रैंकिंग में, भारत के बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा और न्यूजीलैंड के प्लेयर ऑफ द मैच एजाज पटेल ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने प्रदर्शन के बाद बढ़त हासिल की है। जडेजा के तीसरे मैच में 10 विकेट लेने की बदौलत वे आठवें से छठे स्थान पर पहुँच गए हैं और 800 अंकों के पार पहुँच गए हैं, जबकि पटेल के 11 विकेटों ने उन्हें 12 पायदान की छलांग के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर पहुँचा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज भी दूसरी पारी में 59 रन देकर पांच विकेट लेने के बाद 23वें से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर 11 रेटिंग अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

भारत के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर तीनों सूचियों में ऊपर चढ़े हैं, जबकि बांग्लादेश के नईम हसन, न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी और भारत के आकाश दीप गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

न्यूजीलैंड के हाथों 3-0 से मिली हार के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। क्वालीफायर निर्धारित करने वाले प्रतिशत अंकों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया अब शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने जोरदार वापसी की है।

ऑस्ट्रेलिया (62.50), भारत (58.33), श्रीलंका (55.56), न्यूजीलैंड (54.55) और दक्षिण अफ्रीका (54.17) सभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण में सात सीरीज शेष रहते हुए प्रतिस्पर्धा में बने हुए हैं।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ

सभी जाति व धर्मों के लोग कतारबद्ध होकर सूर्य भगवान की करते हैं आराधना

सुनील कुमार
उप महानिरीक्षक,
के.रि.पु.बल, मध्य क्षेत्र लखनऊ

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस पर्व में सदियों से गंगा नदी व अन्य सरोवरों में सभी जाति व धर्मों के लोग कतारबद्ध होकर अपने आराध्य देव सूर्य भगवान की आराधना करते हैं। यह झलक अपने आप वसुधैव कुटुंबकम की भी मान्यता है कि जिस स्त्री-पुरुष ने इस पर्व को पूरी आस्था, भावना एवं धार्मिक रीति-रिवाज के साथ किया, उन्हें भगवान सूर्य ने शीघ्र ही मनोवांछित फल प्रदान किया। कहा जाता है कि बांझन के पुत्र देहुल निर्धन को माया।

रोगिन के निरोग कईलू और मनसा सब के पुरैलू। छठ पर्व कैसे और कब से मनाया जाता है? इसके पीछे अनगिनत कहानियां हैं जो वेद और पुराण से सुनने को मिलता है यह कटु सत्य है कि जो व्यक्ति इस रहस्यमय कथा को श्रद्धा से श्रवण करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। भविष्य पुराण के अनुसार इस व्रत को सबसे पहले नागकन्या ने किया था व नागकन्या से सुनकर सुकन्या ने च्यवन ऋषि के पुत्र को लौटाया था। इसी कथा का अनुकरण करते हुए पांडवों की पत्नी द्रोपदी ने पुरोहित महाराज धौम्य से इस महान पर्व के विधि-विधान का श्रवण कर इस व्रत को कर अपने पतियों का राजपाठ एवं राजलक्ष्मी को प्राप्त कराया था। कथा इस प्रकार है कि पाण्डव ने अपने बनवासी जीवन में भोजपत्र पहनकर संकटों का सामना करते हुए निवास कर रहे थे। तब उनके निवास स्थान पर ब्रह्म देवता तपोरूप अट्ठासी हजार मुनि आ पहुंचे, जिससे महाराज युधिष्ठिर यह सोचकर घबरा उठे कि मेरे आंगन में पधारे महात्माओं के भोजन का प्रबंध कैसे होगा इस दृश्य को देखकर द्रोपदी अत्यन्त दुख से व्याकुल हो गई और इस समस्या के निवारण के लिए अपने पुरोहित महाराज धौम्य के पास जाकर विनम्रतापूर्वक उपाय मांगा। प्रतिउत्तर में महाराज धौम्य ने द्रोपदी के कहा कि तुम भी वहीं सूर्य षष्ठी व्रत करो जिस व्रत को पूर्व काल में नागकन्या के उपदेश से सुकन्या ने किया था। जिसके परिणामस्वरूप उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हुई थीं। इस कथा को विस्तारपूर्वक बतलाते हुए महाराज धौम्य ने द्रोपदी से कहा कि सुनों सत्ययुग में एक शर्याति नामक राजा था जिन्हें एक हजार स्त्रियां थी परंतु उनसे एक ही कन्या उत्पन्न हुई थी। पिता की प्रिय होने के कारण उस कन्या का नाम सुकन्या पड़ा। एक समय राजा शर्याति मृग शिकार के लिए मंत्री, सेना, बड़े-बड़े योद्धा और पुरोहित को लेकर जंगल की और गए। शिकार खेलने के निमित राजा को जंगल में वास करते हुए कई दिन व्यतीत हो गए।

एक समय की बात है कि सखियों के साथ सुकन्या फूल लेने हेतु जंगल गई। वहां पर च्यवन मुनि का स्थान था जहां पर मुनिवर च्यवन ध्यानमग्न हो तपस्या में लीन थे। कठोर तपस्या के कारण मुनि के शरीर में केवल हड्डियां ही दिखाई दे रही थी तथा साथ ही उनके पूरे शरीर को दिमक ने खा लिया था दिमक के खाने की वजह से उनके शरीर में हड्डी के अतिरिक्त आंख के स्थान पर दो छिद्र दिखाई दे रहे थे। सुकन्या च्यवन मुनि के इस रूप को देखकर विस्मित हो गई और मुनि की दोनों आंखे कांटों से फोड़ दी। परिणामरूप, मुनि के नेत्रों से रक्त की धारा बहने लगी। सुकन्या द्वारा च्यवन मुनि के नेत्र फोड़े जोने के कारण राजा और सेना का मल-मूत्र बंद हो गया। मल-मूत्र बंद हो जाने के कारण व्याकुल होकर तीन दिन बाद राजा ने अपने पुरोहित से इसका कारण पूछा। प्रतिउत्तर में पुरोहित ने अपनी दिव्य दृष्टि से देखकर कहा कि हे राजन आपकी कन्या ने अज्ञानतावश च्यवन मुनि के दोनों नेत्र कांटों से फोड़ दिया है जिससे रुधिर बह रहा है। उन्हीं के क्रोध से आपको यह कष्ट झेलना पड़ रहा है। अत: इस कष्ट से निवारण हेतु आपका कर्तव्य बनता है कि आप मुनि की सेवा के लिए अपनी कन्या सुकन्या को मुनि को दान कर दें।

राजा ने अपने पुराहित के आदेश को मानते हुए अपनी बेटी सुकन्या को मुनि की सेवा में अर्पित कर दिया, जिससे मुनि प्रसन्न हो गए और उस दिन से राजा के सारे कष्ट समाप्त हो गए। सुकन्या च्यवन मुनि की सेवा करते हुए एक दिन कार्तिक मास में जल लेने हेतु पुष्करिणी (छोटे तालाब) में गई जहां उन्होंने अनेकों आभूषणों से युक्त नागकन्या को देखा। वह नागकन्या भगवान सूर्य की अराधान कर रही थी।

इसे देखकर सुकन्या ने नागकन्या से पूछा कि यह आप क्या कर रही हैं? सुकन्या के इस मधुर वचन को सुनकर नागकन्या ने कहा कि मैं नाग कन्या हूं और मैं सभी सुखों को देने वाले भगवान सूर्य की पूजा कर रही हूं। नागकन्या ने इस पूजा के विधि-विधान को बताते हुए यह कि कार्तिक शुल्क षष्ठी को सप्तमी युक्त होने पर सर्वमनोरथ सिद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। व्रती को चाहिए कि वह पंचमी के दिन नियम से व्रत को धारण करें, सांयकाल में खीर का भोजन करके जमीन पर सोए, छठ के दिन निर्जला रहें और अनेक प्रकार के फल और पकवान विशेषकर गुड़ से बना आटे का ठेकुआ आदि का नैवेद्य और सूर्य भगवान की प्रसन्नता के लिए गीत-वाद्य आदि गा-बजाकर उत्सव मनावे। जबतक सूर्यनारायण का दर्शन न हो तब तक व्रत को धारण किए रहें। प्रात: काल सप्तमी को सूर्यनारायण के दर्शन कर अर्घ्य देवे और सूर्य भगवान के बाहर नाम का मनन कर दण्डवत प्रमाण करते हुए अर्घ्य देवे। इस प्रकार इस व्रत को विधिपूर्वक करने से सूर्य भगवान महान कष्ट को दूरकर मनवांछित फल देते हैं। नागकन्या के इस वचन को सुनकर सुकन्या ने इस उत्तम व्रत को किया। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन महाराज के नेत्र पूर्ववत हो गए, उनका शरीर निरोग हो गया और सुकन्या के साथ लक्ष्मीनारायण के भांति सुख भोगने लगे। इस कथा को सुनकर द्रौपदी ने भी पवित्र मन से इस पर्व को विधि-विधान के अनुसार किया, जिसके परिणामस्वरूप महाराजा युधिष्ठिर के चिंता का निराकरण हो गया और उन्होंने अपने यहां पधारे अट्ठासी हजार मुनिओं का आतिथ्य सत्कार किया। द्रौपदी के इस व्रत के प्रभाव से ही पाण्डवों को पुन: राजलक्ष्मी प्राप्त हुई। कहा भी गया है कि जो भी स्त्री इस पुनीत छठ व्रत को करेगी उसके समस्त पाप नाश होकर सुकन्या की भांति पति सहित सुख पावेगी। इस घोर कलयुग में भी इस छठ पर्व की अपार महिमा है। इस महिमामयी एवं वरदायिनी छठ मैया के पर्व को सभी व्यक्ति चाहें वह किसी भी जाति या धर्म के क्यों न हो, सम्मान की नजरों से देखते हैं। अंत में मैं सारे विघ्न-बाधाओं एवं पापों का नाश करने वाले भगवान श्री सूर्य के श्री चरणों में उक्त दो पंक्तियों के साथ कोटि-कोटि नमन करते हुए छठ मईया की महिमा का इति श्री करता हूं।

एहि सूर्य सहस्त्राशो तेजोरोशे जगत्पते!
अनुकम्पय मां भक्तया गृहार्घ्य दिवाकर!!

बच्चों की याददाश्त बढ़ाने के लिए मददगार हैं ये सात योग आसन

योग एक जादुई अभ्यास है जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और कल्याण को बढ़ावा देने में काफी मदद करता है। यह गहरी सांस लेने और शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान देने पर जोर देता है, जिससे हमारी एकाग्रता और याददाश्त में सुधार हो सकता है। योग मस्तिष्क सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे हमारे संज्ञानात्मक कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चो से लेकर छात्रों की शिक्षा के लिए योग करना काफी जरुरी होता है। इससे गहरी एकाग्रता हासिल कर सकते हैं और अपनी याददाश्त में सुधार लाया जा सकता है। आइए जानते हैं इन 7 योग आसन के बारें में आपको बताते हैं, जिनसे बच्चों की याददाश्त बढ़ा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार : ज्यादातर स्कूलों में रोजाना सूर्य नमस्कार अभ्यास किया जाता है, यह योग आसन शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार से लेकर एकाग्रता में सुधार तक के लाभों के लिए जाना जाता है। यह प्रणामासन से शुरू होने वाले 12 योग आसनों का एक संयोजन है जिसमें गहरी सांस लेना और सीधे खड़े होना शामिल है।

बालासन : इस योग के करने से बच्चों की याददाश्त बेहतर रहती है। इसको करने के लिए आप चटाई पर घुटने टेकें जब तक कि आपकी पीठ आपकी एड़ी पर न टिक जाए। अपने हाथ फैलाएं और सांस लें। यह आसन विश्राम को बढ़ावा देता है और मानसिक स्पष्टता में सुधार करता है।

अनुलोम वोलोम प्राणायान : अनुलोम वोलोम प्राणायान योग करने से चिंता और तनाव कम हो जाता है। इसे करने के लिए प्रत्येक नासिका छिद्र से सांस लेना और छोड़ना शामिल है। इस अभ्यास से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बढ़ता है जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है।

वृक्षासन : इस योग करने से तनाव दूर होता है। बच्चों का दिमाग भी तेज होता है। इसको करने के लिए एक पैर पर शरीर को संतुलित करना और दूसरे पैर को खड़े पैर की भीतरी जांघ पर रखना शामिल है। आपकी भुजाएं ऊपर की ओर फैली हुई, मुड़ी हुई होनी चाहिए। यह अभ्यास फोकस को बढ़ा सकता है जिससे याददाश्त बेहतर हो सकती है।

सर्वांगासन : सर्वांगासन एक पूर्ण शरीर का व्यायाम है जिसमें खुद को उल्टा करना और कंधों परप शरीर का बल छोड़ना होता है। यह योग पोज शक्ति, लचीलेपन और परिसंचरण को बढ़ा सकता है और मानसिक स्पष्टता को बढ़ावा देता है।

त्राटक ध्यान : त्राटक ध्यान में एक आरामदायक स्थिति में बैठना और एक बिंदु, आमतौर पर मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। यह व्यायाम मानसिक स्वस्थ में सुधार कर सकता है, याददाश्त बढ़ा सकता है और जागरूकता की भावना को बढ़ाता है। इसके अलावा इस एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी भी बेहतर हो सकती है।

पश्चिमोत्तानासन : पश्चिमोत्तानासन करने के लिए रीढ, कंधों और हैमस्ट्रिंग को फैलता है। इसके करने से प्रवाह में काफी सुधार करता है और फोकस को बढ़ाते हुए याददाश्त में सुधार कर सकता है। इस योगासन को करने के लिए अपने पैरों की उंगलियों को अपने सामने फैलाकर फर्श पर बैठें, इसके बाद अपनी हड्डी को फर्श को दिशा में दबाएं और अपनी रीढ़ को लंबा करें। कुछ समय के लिए सांसे छोड़ें और अंदर लें।

फिल्म पुष्पा-2 ने रिलीज से पहले ही बनाया नया रिकॉर्ड

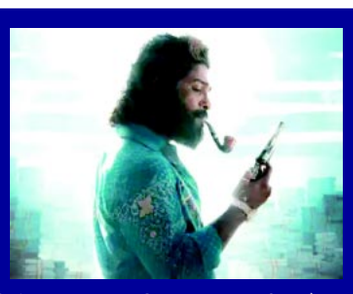

अल्लू अर्जुन की *पुष्पा-2* की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। रिलीज से पहले फिल्म के टीजर और गाने ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। यह 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो रिलीज होने से पहले ही भारत के साथ विदेशों में भी धूम मचा रही है। पुष्पा-2 को 5 दिसंबर को सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह 2021 में रिलीज हुई फिल्म *पुष्पा* का सीक्वल है। फिल्म पुष्पा-2 ने रिलीज से पहले ही कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस फिल्म की अमेरिका में 15 हजार से ज्यादा टिकटें बिक चुकी हैं। इसके साथ ही पुष्पा 2 सबसे तेज प्रदर्शन करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म पुष्पा-2 को लेकर भारत के साथ-साथ अमेरिका के लोगों में भी उत्सुकता है। फिलहाल फैंस भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म पुष्पा-2 का नया पोस्टर शेयर किया है। फिल्म पुष्पा-2 का निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म पुष्पा-2 में अभिनेता अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। विलेन के किरदार में फहाद फासिल नजर आएंगे। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन एक बार फिर बोल्ड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म एक्शन, ड्रामा और इमोशंस का रोमांचक मिश्रण लेकर आएगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**